DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
SATURDAY I JANUARY 13, 2024

PAPERS---DATED--------------------

DDA to open outdoor sports facilities at Roshanara Club

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

The Delhi Development Authority on Friday said it would open the outdoor sports facilities for lawn tennis, basketball, cricket and mini football at the historic Roshanara Club here from January 13.

The move comes months after the century-old club -- the cradle of Indian cricket - was on September 29 sealed by the Delhi Development Authority, which had taken possession of club.

The DDA has decided to open the outdoor sports facilities for playing lawn tennis, basketball, cricket and mini football (futsal) ground of the club, to the general public "w.E.F. 9 am from January 13, 2024 at a nominal price on the basis of pay-and-play," the urban body said in a statement. According to DDA, those who are interested to avail the facilities will have to pay a nominal fee on basis of pay and play. For cricket during weekdays, the nominal fee is Rs 11,800 and for weekends, the fee will be Rs 16,500. For Basketball, Rs 100 is fixed for one hour. Similarly, Rs 240 per hour is fixed for Tennis (Synthetic court) and Rs 100 for clay court. Established in 1922, the club is one of the oldest clubs in Delhi.

The club is committed to provide a top-notch sports experience so that fitness enthusiasts can indulge in their favourite outdoor activities. Everyone is requested to come and have the best experience in the salubrious ambience of the club, it added.

The historic club was established on August 15, 1922. Endowed with natural beauty, green pastures and colonial-era charm, the Roshanara Club, located in north Delhi, has emerged as one of the most prestigious clubs in the country.

In November, the Delhi High Court had rejected a plea seeking reopening of the club, noting that it had already directed the authority to devise a scheme to run it.

। शनिवार • 13 जनवरी • 2024 राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

एलजी का नरेला को एजुकेशनल हब बनाने पर फोकस

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

राजधानी के बांहरी इलाके में स्थित नरेला को शैक्षणिक केंद्र बनाने की पहल के चलते दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने स्थानीय सात विश्वविद्यालयों को 181 एकड़ जमीन आवंटित की है। इसके साथ ही इन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की जरूरत को देखते हुए 1,082 फ्लैटों के लिए भी भूमि आवंटित की है।

दरअसल उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना इस प्रोजेक्ट पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उनका मानना है कि इन शैक्षणिक संस्थानों के आने से दिल्ली में शैक्षणिक बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। जमीन आवंटन से डीडीए को राजस्व के रूप में करीब 1300 करोड़ रुपए मिलेंगे। उप-राज्यपाल सचिवालय ने जारी बयान में यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि बीते एक साल में डीडीए नरेला में करीब 8,000 फ्लैटों की बिक्री में सफल रहा है।

- डीडीए ने सात स्थानीय विश्वविद्यालयों को आवंटित की 181 एकड़ जमीन
- विवि के कर्मचारियों की जरूरत को देखते हुए 1,082 फ्लैटों के लिए भी भूमि दी गई
- नरेला के प्रति लोगों में बढ़ा रुझान, साल भर में डीडीए के 8000 फ्लैटों की बिक्री

एलजी सचिवालय के अधिकारी ने बताया है कि उप-राज्यपाल ने बीते साल अक्टूबर में डीडीए के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में नरेला में चल रहे विकास कार्यों में आवास, न्यायालय, पुलिस, अस्पताल, जेल परिसर आदि पर चर्चा करते हुए एलजी ने शैक्षणिक ढांचे को आगे बढ़ाने पर जोर दिया था। बैठक के बाद डीडीए ने उप-राज्यपाल की मंशा को साकार करने के लिए न्यूनतम समय में दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर विश्वविद्यालय को 16.73 एकड़, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय को 22.43 एकड़, दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय को 10 एकड़, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली को 20 एकड़, दिल्ली टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय को 47.46 एकड़, दिल्ली टीचर्स विश्वविद्यालय को 12.69 एकड़ और इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल विश्वविद्यालय फॉर वीमेन को 50 एकड़ जमीन आवंटित की है। अभी तक उपरोक्त विश्वविद्यालय सीमित जगह पर चल रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों को अब विस्तार करने में मदद मिलेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
13 JANUARY, 2024 | NEW DELHI

DDA allots 181 acres of land to 7 govt varsities and institutions

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) has allotted 181 acres of land to 7 government universities and institutions of Delhi to develop campuses in Narela following Lieutenant Governor VK Saxena's promise to make the area an educational hub.

Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University (DPSRU) has been allotted 16.73 acres, Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU) has been given 22.43 acres, Delhi Skill and Entrepreneurship University (DSEU) 10 acres, Indraprastha Institute of Information Technology, Delhi (IIIT-D) got 20 acres, Delhi Technological University was allotted 47.46 acres, Delhi Teachers University (DeTU) received 12.69 acres and Indira Gandhi Delhi Technology University for Women got 50 acres.

"Saxena had, in a meeting with officials in October last year, directed that apart from ongoing developments in the area, that include residential, courts, police, hospital and prison complexes, DDA should strive to develop the Narela Sub-city into an educational hub. This apart from providing much-needed land to cramped University Campuses in the city, would also provide a fillip to the infrastructural development of the Narela Sub-city," informed Raj Niwas sources.

They added that following the meeting, DDA met with multiple stakeholders, including universities and have issued allotment letters to all of them. The allotted land would meet the universities and institutes' requirements since they had limited campus space till now.

/SPAPERS
दैनिक भास्कर नई दिल्ली, शनिवार 13 जनवरी, 2024

नरेला में 7 विश्वविद्यालयों व संस्थानों को भूमि आवंटित

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

नरेला सब-सिटी को 'एजुकेशन हब' के रूप में विकसित करने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली के 7 विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों के संस्थानों को उनके परिसरों के विकास के लिए 181 एकड़ भूमि आवंटित की है। साथ ही इन विश्वविद्यालयों को इनकी मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं। एलजी वीके सक्सेना के निर्देश पर डीडीए के इस कदम से क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य होने के अलावा भूमि व फ्लैटों के लिए के लिए डीडीए को करीब 1300 करोड़ रु. राजस्व मिलेगा।

एलजी ने पिछले वर्ष अक्टूबर में डीडीए को नरेला को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया था। जिन विश्वविद्यालयों व संस्थानों को आवंटन पत्र दिए हैं उनमें दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (16.73 एकड़), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (22.43 एकड़), दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विवि (10 एकड़), इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (20 एकड़), दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (47.46 एकड़), दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी (12.69 एकड़) और इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमैन (50 एकड़) शामिल हैं।

केंद्र सरकार दिल्ली में मौजूद सभी झुग्गियों को तोड़ना चाहती है : आप

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार दिल्ली में मौजूद सभी झुग्गियों को तोड़ना चाहती है।

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि प्रभावित झुग्गीवासियों के पुनर्वास के बिना दिल्ली में झुग्गियों को अमानवीय तरीके से तोड़ा जा रहा है। आतिशी ने आरोप लगाया कि 9 जनवरी को एक बैठक में केंद्र ने डीडीए और एमसीडी को शहर की सभी झुग्गी बस्तियों को खाली करने का निर्देश दिया। नवंबर में सुंदर नर्सरी और दिल्ली पब्लिक स्कूल के बीच एक झुग्गी बस्ती को कोर्ट के आदेश के बाद ध्वस्त कर दिया गया था।

THE HINDU – January 13, 2024
DELHI

Delhi's Roshanara Club to open outdoor sports facilities from today

Press Trust of India
NEW DELHI

The Delhi Development Authority (DDA) said it will open the outdoor sports facilities, including lawn tennis, basketball, cricket, and mini football, for the public at the historic Roshanara Club from Saturday.

"The club is committed to providing a top-notch sports experience so that fitness enthusiasts can indulge in their favourite outdoor activities," the agency said in a statement on Friday, adding that the facilities will cost a nominal price on a pay-and-play basis.

The move comes months after the century-old club – known as the cradle of Indian cricket – in north Delhi was sealed on September 29 last year by the DDA, which took possession of the club in the same month.

The authority in September had clarified in a statement that the club was taken over because it had extended its premises, "illegally occupying land worth thousands of crores for years", and allowed encroachment on at least 3.5 acres worth ₹180 crore out of the 23.29 acres it was leased. The DDA had also disbanded the then management of the club.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
DELHI
13 जनवरी, 2024
NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

डेढ़-दो साल से जिन झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है, उनमें से अधिकतर झुग्गियां केंद्र सरकार की जमीन पर बनी हुई हैं: भारद्वाज

दिल्ली की झुग्गियों को ध्वस्त करना चाहती है केंद्र: आतिशी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली की सारी झुग्गियां तोड़ने के आदेश देने का सख्त विरोध किया है। 'आप' की वरिष्ठ नेता आतिशी का कहना है कि केंद्र सरकार को झुग्गियों और उनमें रहने वाले लोगों को देखकर शर्म आती है और वो उनसे परेशान हैं। इसलिए केंद्र सरकार ने दिल्ली से झुग्गियों का पूरी तरह से सफाया करने का फरमान दिया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने एमसीडी, रेलवे, डीडीए के साथ बैठक कर अफसरों को आदेश दिया है कि दिल्ली से झुग्गियों का पूरी तरह सफाया करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर चुनाव में जहां झुग्गी-वहीं मकान देने का वादा करती है और चुनाव बाद झुग्गियों को तोड़ देती है। लेकिन, जब तक आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल हैं, तब तक हम किसी झुग्गी को तोड़ने नहीं देंगे। झुग्गीवालों के अधिकारों के लिए 'आप' सड़क, कोर्ट और संसद तक लड़ाई लड़ेगी, ताकि ऐसी ठंड में भाजपा झुग्गी में रहने वालों को बेघर न कर पाए। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त प्रेसवार्ता की और उन्होंने दिल्ली की झुग्गियों में रह रहे लोगों को केंद्र सरकार द्वारा बेघर करने

की रची जा रही साजिश का खुलासा किया। इस दौरान 'आप' की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि बीजेपी दिल्ली में हर चुनाव से पहले झुग्गी वालों से फॉर्म भरवा कर कहती है कि उनको इन झुग्गियों की जगह मकान देंगे। एमसीडी चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने कालकाजी के झुग्गी वालों को 500 मकान दिए थे और वादा किया कि हर किसी को उनकी झुग्गियों के बदले 5 किलोमीटर के दायरे में पक्का मंकान देंगे। लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुआ झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस पिछले साल जनवरी से आने लगे। यहां लगभग 15 हजार लोग रहते हैं। बीजेपी चुनाव से पहले जहां झुग्गी, वहां मकान देने का वादा करती है और चुनाव के बाद कहती है कि हमें झुग्गीवाले पसंद नहीं हैं। हम झुग्गी तोड़ डालेंगे और उनको फूटपाथ पर ले आएंगे। आतिशी ने कहा कि बीजेपी शासित केंद्र सरकार अब दिल्ली से झुग्गियों को साफ करने की सुनियोजित ढंग से एक साजिश रच रही है।

पुनर्वास होने तक झुग्गीवासियों को उजाड़ नहीं जा सकता: भारद्वाज

'आप' के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश के हर बड़े शहर दिल्ली, मुंबई या कोलकाता में अलग-अलग जगहों पर जेजे कलस्टर हैं। जेजे कलस्टर समाज की सच्चाई है। मिडिल, अपर मिडिल क्लास वाले लोगों के घरों में साफ-सफाई करने वाली मेड, बच्चों की देखभाल करने वाली आया, ड्राइवर, कपड़े प्रेस करने वाला धोबी, चौकीदार, सब्जीवाला, फलवाला इन झुग्गी कलस्टर में रहते हैं। इन लोगों को यहां रहना अच्छा नहीं लगता, लेकिन मजबूरी है। वहीं, सरकार की झुग्गियों को हटाने के लिए एक खास तरह की पॉलिसी होती है। इस पॉलिसी के तहत लैंड ऑनिंग एजेंसी झुग्गी में रहने वाले लोगों के लिए वहां पर छोटे फ्लैट बनाकर देती है। केंद्र सरकार की जमीन में लोगों को पुर्नवास करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार व डीडीए की होती है। वहीं, दिल्ली सरकार की जमीन में लोगों को पुर्नवास करने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार या डूसिब (दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड) की है। लेकिन पिछले डेढ़-दो सालों में जिन झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है, उनमें से अधिकतर केंद्र सरकार की जमीन पर बनी हुई हैं। एक तरफ बीजेपी कहती है कि रैनबसेरों में इतने बेसहारा लोग क्यों हैं। जबकि, सच्चाई यह है कि ये बेसहारा लोग वह हैं, जिनको पिछले कुछ सालों में बेघर कर दिया गया है।

झुग्गीवासी को बेहतर जीवन के अवसर से वंचित किया: सचदेवा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी राजनीतिक रूप से निराश पार्टी है, जो अस्तित्व बचाने की हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। आप अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए ऐसे मुद्दे उठा रही है जिनके लिए वह खुद जिम्मेदार है।

सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू करने की अनुमति नहीं दी है और न ही झुग्गी-झोपड़ियों या शहरी गरीबों को लगभग 50,000 पहले से निर्मित राजीव आवास योजना मकान आवंटित किए हैं, जिससे वह बेहतर जीवन के अवसर से वंचित रह गए हैं।

उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार के निर्देश पर डीडीए ने दिल्ली में 3 जगहों पर जहां झुग्गी वहां मकान परियोजना लागू की है, लेकिन दिल्ली सरकार ने अपनी एक भी जमीन पर झुग्गीवालों के क्लस्टर में इस योजना को लागू नहीं किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि सीएम और उनकी पार्टी के लोगों को कांग्रेस के साथ गठबंधन करते देखना चौंकाने वाला है, जिन्हें वे कुछ साल पहले तक हमेशा भ्रष्ट कहते थे। कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से पहले आप नेताओं को देश की जनता को जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए कि वे भ्रष्ट कांग्रेस का समर्थन क्यों कर रहे हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
दिल्ली, शनिवार
13.01.2024

NAME OF NEWSPAPERS---------- ----------DATED----------

लोग नाम मात्र का शुल्क देकर उठा सकेंगे खेल सुविधाओं का लाभ

रोशनारा क्लब में आज से शुरू होंगी आउटडोर खेल सुविधाएं

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने रोशनारा क्लब आम जनता के लिए शनिवार 13 जनवरी से खोल दिया है। डीडीए ने सभी से अनुरोध किया है कि वे आएं और रोशनारा क्लब के स्वास्थ्यप्रद माहौल का बेहतरीन अनुभव लें। डीडीए रोशनारा क्लब सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह सात से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। यहां बता दें कि डीडीए ने शुक्रवार 29 सितंबर को 100 साल पुराने रोशनारा क्लब को सील कर दिया था। डीडीए द्वारा की गई बेदखली की कार्यवाही के दौरान पाया गया था कि वर्षों तक हजारों करोड़ रुपये की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने के अलावा, क्लब प्रबंधन ने पट्टे पर मिली 23.29 एकड़ जमीन में से लगभग 3.5 एकड़ पर जमीन पर अतिक्रमण करने की अनुमति भी दे रखी थी। मौजूदा सर्किल रेट के अनुसार इस भूमि की कीमत 180 करोड़ रुपये से अधिक बतायी जा रही है। डीडीए ने बताया कि इसके अलावा क्लब प्रबंधन ने अनाधिकृत रूप से नर्सरी और अवैध झुग्गी-झोपड़ियों को भी किराए पर जमीन दे रखी थी। इसके अलावा रोशनारा क्लब लिमिटेड ने पट्टे की समाप्ति के बाद वर्षों से भूमि पर अनधिकृत कब्जा कर रखा था जिसके लिए उसे हर्जाना देना होगा। वहीं यह भी पाया गया था कि ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित क्लब, जिसकी भूमि सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए पट्टे पर दी गई थी, वह कुछ व्यक्तियों की निजी संपत्ति बन गई थी। क्लब की इमारत और परिसर रखरखाव की कमी के कारण पूरी तरह से जीर्ण-शीर्ण स्थिति में थी और प्रबंधन द्वारा अनधिकृत झुग्गियों की पनाहगाह बनी हुई थी।

खेल और शुल्क की जानकारी इस प्रकार है

क्र.सं.	सुविधा शुल्क	अवधि समय
1.	टेनिस (सिंथेटिक कोर्ट) 240 रूपये	1 घंटा सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक
2.	टेनिस (क्ले कोर्ट) 100 रूपये	40 मिनट सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक
3.	बास्केटबाल 100 रूपये	1 घंटा सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक
4.	क्रिकेट (सप्ताह के दिनों में) 11,800 रूपये	सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक
5.	क्रिकेट (सप्ताहांत) 16,500 रूपये	सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक
6.	मिनी-फुटबाल (फुटसल) कार्यदिवस 1,560 रूपये	1 घंटा सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक
7.	मिनी-फुटबाल (फुटसल) सप्ताहांत 3,120 रूपये	1 घंटा सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक

एलजी की पहल पर एजुकेशन हब के रूप में विकसित होगा नरेला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): नरेला सबसिटी को एजुकेशन हब बनाने के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के प्रयास अब रंग लाते दिखाई दे रहे हैं। एलजी दफ्तर के अधिकारियों ने बताया कि नरेला सब-सिटी को एजुकेशन हब के रूप में स्थापित करने की एलजी सक्सेना की पहल पर ठोस काम करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली के सात विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों व संस्थानों को उनके परिसरों के विकास के लिए 181 एकड़ भूमि आवंटित कर दी है।

इसके अलावा इन विश्वविद्यालयों को इनकी मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं। इस कदम से क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य होने के अलावा डीडीए को भूमि और फ्लैटों के लिए अतिरिक्त राजस्व के तौर पर लगभग 1300 करोड़ रुपये मिलेंगे। गौरतलब है कि पिछले एक साल से अधिक समय में डीडीए अपनी बिना बिकी इन्वेंटरी में से लगभग 8000 फ्लैट्स बेचने में सफल रहा है। एलजी सक्सेना ने पिछले वर्ष अक्टूबर में अधिकारियों के साथ हुई बैठक में निर्देश दिया था कि नरेला में जारी विकास कार्य, जिसमें आवास, कोर्ट, पुलिस, अस्पताल, जेल कॉम्प्लेक्स आदि शामिल हैं, उनके अलावा डीडीए को नरेला सब-सिटी को एक 'एजुकेशन हब' के रूप में विकसित करने की कोशिश करनी चाहिए। ये शहर में विवि परिसरों के लिए आवश्यक भूमि प्रदान करने के अलावा नरेला सब-सिटी के बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा देगा। इस मुद्दे पर विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ कई बैठकें हुईं, जिसमें ये सभी अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के साथ आए थे। जिसके बाद डीडीए ने रिकॉर्ड समय में इन विवि को जमीन आवंटित कर दी। यहां बता दें कि विश्वविद्यालयों/संस्थानों को जो भूमि आवंटित की गई है, वह उनके मौजूदा परिसरों के अतिरिक्त होगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com
शनिवार, 13 जनवरी 2024
NAME OF NEWSPAPERS------- -------DATED-------

एजुकेशन हब बनेगी नरेला सब-सिटी

उपराज्यपाल ने सात विश्वविद्यालयों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नरेला सब सिटी को एजुकेशन हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है। उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली के सात सरकारी विश्वविद्यालयों व संस्थानों को उनके परिसरों के विकास के लिए 181 एकड़ भूमि आवंटित की है। इसके अलावा, इन विश्वविद्यालयों को इनकी मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं।

एलजी ने पिछले साल अक्टूबर में अधिकारियों के साथ बैठक की थी। साथ ही निर्देश दिया था कि नरेला को एजुकेशन हब के तौर पर विकसित किया जाए। ये शहर में विश्वविद्यालय परिसरों के लिए आवश्यक भूमि प्रदान करने के अलावा, नरेला सब-सिटी के बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा देगा।

इस मुद्दे पर विश्वविद्यालय/संस्थान के साथ कई बैठकें हुईं, जिसमें ये सभी अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के साथ आए थे। इसके बाद, डीडीए ने इन्हें कम से कम समय में भूमि आवंटित की। यह भूमि मौजूदा परिसरों के अतिरिक्त होगी। इससे विश्वविद्यालय/संस्थान को आवश्यकता अनुसार विस्तार करने में मदद मिलेगी।

नरेला औद्योगिक क्षेत्र। स्रोत: सांकेतिक तस्वीर

1300 करोड़ रुपये राजस्व मिलेगा डीडीए को

- *डीडीए को भूमि और फ्लैटों के लिए अतिरिक्त राजस्व के तौर पर लगभग 1300 करोड़ रुपये मिलेंगे। गौरतलब है कि पिछले एक साल से अधिक समय में डीडीए, अपनी बिना बिकी इन्वेंटरी में से लगभग 8000 फ्लैट्स बेचने में सफल रहा है।*

सब सिटी का होगा विकास

नरेला क्षेत्र के विकास के लिए कई दिशा में काम किया जा रहा है। यहां पर एजुकेशन हब के साथ अन्य विकास कार्य भी किए जा रहे हैं। इसमें आवास, कोर्ट, पुलिस, अस्पताल, जेल कॉम्प्लेक्स के निर्माण भी शामिल हैं। यहां लोगों की पहुंच आसान बनाने के लिए मेट्रो व अन्य परिवहन सुविधा को भी मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नरेला को द्वारका की तर्ज पर ही विकसित किया जाएगा। ऐसा होने से इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग आएंगे। इससे दिल्ली का बोझ कम होगा। साथ ही नरेला का भी विकास होगा।

181 एकड़ भूमि संस्थानों को आवंटित की

इन विश्वविद्यालयों को आवंटन किए गए पत्र

विश्वविद्यालय	भूमि
दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी	16.73 एकड़
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	22.43 एकड़
दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय	10 एकड़
इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	20 एकड़
दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी	47.46 एकड़
दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी	12.69 एकड़
इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वूमेन	50 एकड़

सीमित परिसर में चल रहे विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय	इलाका
दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी	महरौली बदरपुर रोड, पुष्प विहार
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	सेक्टर-16C, द्वारका
दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय	सेक्टर-9, द्वारका
इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 3
दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी	शाहबाद दौलतपुर, मेन बवाना रोड
दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी	पी-625 और 745, आउट्रम लेन, नई दिल्ली
इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वूमेन	मदरसा रोड, कश्मीरी गेट

डीडीए रोशनआरा क्लब में आउटडोर खेल सुविधाएं शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने रोशनआरा क्लब में लोगों के लिए आउटडोर खेल सुविधा शुरू करने का फैसला लिया है। इसमें लॉन टेनिस (सिंथेटिक), बास्केटबॉल, क्रिकेट और मिनी फुटबॉल (फुटसल) मैदान समेत अन्य आउटडोर खेल सुविधाओं को आम लोगों के लिए 17 दिसंबर से खोला जाएगा। इसमें खेल के अनुसार मामूली भुगतान शुल्क शामिल है। क्लब सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक खुला रहेगा। ब्यूरो

बांसेरा बैम्बू पार्क में अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव आज से

नई दिल्ली। यमुना किनारे बांसेरा बैम्बू पार्क में अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव आज से शुरू होगा। इस दौरान पेशेवर पतंगबाज नवीन पतंगों का प्रदर्शन करेंगे। दो दिवसीय पतंग उत्सव का आयोजन डीडीए ने किया है। उत्सव में कई प्रमुख आकर्षण होंगे, जिनमें एक थीम पवेलियन भी शामिल है, जिसे पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए स्थापित किया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना पतंग उत्सव का उद्घाटन करेंगे। ब्यूरो

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | SATURDAY, 13 JANUARY, 2024

RS---------------------------------------DATED-----------------------

BJP HITS BACK

Centre wants to demolish all slums in Capital, alleges AAP

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The Aam Aadmi Party (AAP) alleged on Friday that the BJP-led Centre wants to demolish all slums in Delhi.

Addressing a press conference, Delhi Cabinet ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj said slums in the national Capital are being demolished "in an inhuman manner", without rehabilitating the affected slum dwellers.

Atishi alleged that at a meeting on January 9, the Centre directed land-owning agencies, such as the Delhi Development Authority (DDA) and the Municipal Corporation of Delhi (MCD), to clear all slum clusters in the city.

Atishi said whenever elections are held in Delhi, be it for the Lok Sabha, Assembly or the MCD, the Bharatiya Janata Party (BJP) makes a promise to slum dwellers that it will build houses for them wherever they are residing. Before every election, the BJP releases advertisements in this regard, the leaders of the party go to the slums and fill up forms, promising houses for each slum dweller,

Takeaways

» Delhi Cabinet ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj said slums in the national Capital are being demolished 'in an inhuman manner', without rehabilitating the affected slum dwellers

» Atishi alleged that at a meeting on January 9, the Centre directed land-owning agencies, such as the Delhi Development Authority (DDA) and the Municipal Corporation of Delhi (MCD), to clear all slum clusters in the city

» Delhi BJP chief Virendra Sachdeva accused the AAP government in Delhi of not allowing the implementation of the Pradhan Mantri Awas Yojana in the national Capital and not allotting around 50,000 Rajiv Awas houses that have already been constructed to the urban poor

she added. The AAP leader said just before the MCD polls, Prime Minister Narendra Modi had distributed some 500 flats to people in Kalkaji and the BJP released a full-page newspaper advertisement, saying each slum dweller in Delhi would be given a house within a five-kilometre radius of their current residences.

"Soon after the election, the prime minister handed the keys to the flats in a housing complex to people, while the BJP-governed DDA ordered the demolition of the slums adjacent to that complex," she alleged.

Atishi claimed that after elections, the BJP either demolishes slums, relocates the affected slum dwellers to footpaths or sends them to places 50 kilometres away, where there are no jobs for them, no schools for their children and no means of transportation.

"The BJP-led central government is conspiring to completely remove slums from Delhi under a conspiracy in a systematic way," the Delhi minister alleged. Echoing similar views, Bharadwaj alleged that the Centre is demolishing jhuggi jhopri (JJ) colonies under a conspiracy.

He said it is the duty of the land-owning agencies to rehabilitate the slum dwellers.

Bharadwaj said some notified JJ clusters were removed despite court orders.

He added that in the last couple of years, most of the demolition drives were carried out on land belonging to the Centre, despite a clear-cut policy available in the matter. Hundreds of schoolgoing children and women involved in odd jobs have become homeless due to these demolitions, he added.

The AAP leader said before the G20 Summit, a JJ colony at Dhaula Kuan was demolished despite the deputy chief minister's orders to the contrary.

Reacting to the allegations, Delhi BJP chief Virendra Sachdeva accused the AAP government in Delhi of not allowing the implementation of the Pradhan Mantri Awas Yojana in the national Capital and not allotting around 50,000 Rajiv Awas houses that have already been constructed to the urban poor, denying them an opportunity for a better life.

Sachdeva said that for the sake of political survival, the AAP is raising issues for which it itself is responsible.

DDA reopens Roshanara Club for outdoor sports facilities

NEW DELHI: The Delhi Development Authority announced their decision to reopen the Roshanara Club for outdoor sports facilities on Friday.

The facilities for Lawn tennis, Basketball, Cricket and Mini Football will be open to the general public from January 13 at 9 AM, for a chargeable fee. The charges range from Rs 100 to Rs 16,500, depending on each sport. The duration of the game also varies from 1 hour to 40 minutes. The club will be open for all days, except Monday from 7 AM to 5 PM.

The club had been shut on September 29, after the Authority evicted all workers and took possession of the Roshanara Club premises, after the club's leases had expired in 2012 and 2017. The club had been granted two premium free leases during the British Raj, which could be extended for 30 years each, with no provision for renewal or extension after. Upon the termination of its leases the club had submitted representations for extensions but DDA claims they were rejected, following which eviction proceedings were started by the Central Zone Estate Officer. MPOST

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- millenniumpost 14 JANUARY, 2024 | NEW DELHI -DATED----------

Kite festival on 'Makar Sankranti' also tribute to Lord Ram: L-G

'Lord Ram is said to have flown kites in his childhood'

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi Lt Governor V K Saxena on Saturday said the two-day international kite festival being celebrated in Delhi on the occasion of 'Makar Sankranti' is also a "tribute to one of our prime deities", Lord Ram.

Lord Ram is said to have "flown kites in his childhood, along with his brothers," Saxena said.

He was addressing a gathering at the opening ceremony of the 'Patang Utsav' being hosted at 'Baansera' -- a sustainability-themed bamboo park located at Sarai Kale Khan on the banks of the river Yamuna.

The festival, being organised by Delhi Development Authority (DDA), has major attractions including a theme pavilion, which displays "history of kites, in the form of a kite gallery showing use of kites during times of war, fighter kites, and the significance of kites in India," according to officials.

L-G VK Saxena with BJP leader Harsh Vardhan during kite festival, on Saturday

The 'Patang Utsav' was inaugurated a day ahead of the 'Makar Sankranti' festival.

'We are celebrating today an international kite festival at a place that was reclaimed, rejuvenated and regenerated. This used to be a garbage dump of Delhi's construction and demolition waste. What you see now is a beautiful abode of bamboos,' Saxena said.

He added that celebrating this kite festival on the occasion of 'Makar Sankranti' is "also a tribute to one of our prime deities, Lord Shri Ram, who is said to have flown kites in his childhood, along with his brothers".

As a nation that possibly provided the world with its "fullest experience" in flying by human endeavours, this kite festival prevalent across the globe for centuries now, wouldn't have been more appropriate as "a symbol of basic human endeavour of soaring and breaking free," he said.

'This bamboo park, 'Baansera', is a tribute to that human endeavour. It aims at providing people of Delhi the much-needed public spaces in the capital on one hand, and on the other ensure that the rich biodiversity of the floodplains is preserved and maintained,' Lt Governor Saxena further added.

On the occasion, the Lt Governor also unveiled the 2024 calendar published by the DDA.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
दिल्ली रविवार
14.01.2024

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

एलजी वीके सक्सेना ने बांसेरा में की अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव की शुरुआत

दिल्ली में ईज ऑफ लिविंग को प्रमोट करने के लिए किए जाएंगे ऐसे कई आयोजनः एलजी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को पहले अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव का उद्घाटन किया। यमुना के तट पर सराय काले खां में दिल्ली के पहले बैंबू-थीम पार्क बांसेरा में आयोजित इस पतंग उत्सव में विभिन्न विदेशी राजदूतों और राजनयिकों सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति पतंगबाजी में हाथ आजमाते नजर आए।

पतंग उड़ाते एलजी वीके सक्सेना।

सूर्य देव की उत्तरायण यात्रा और उससे जुड़े त्योहारों को चिह्नित करने के लिए इस दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन डीडीए द्वारा किया गया जा रहा है। इसमें विभिन्न राज्यों के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाज हिस्सा ले रहे हैं। एलजी ने लोगों से अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस उत्सव में हिस्सा लेने की अपील करते हुए कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि दिल्ली के लोगों के लिए ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ऐसे कई आयोजन किये जाएंगे, इसकी योजना बनाई जाएगी। एलजी ने उत्सव के आयोजन और दिल्ली में अब तक खराब परिदृश्य से बाहर खुले हरित स्थान विकसित करने के लिए डीडीए की सराहना की। सक्सेना ने यमुना बाढ़ के मैदानों की पारिस्थितिकीय स्थिति को बढ़ावा देने और इसे एक मनोरंजनात्मक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में आकर्षक बनाकर इसे और अधिक लोगों के अनुकूल बनाने के लिए अगस्त 2022 में 'बांसेरा' की नींव रखी थी और इसे महज 6 महीने के रिकॉर्ड समय में विकसित किया गया था।

असम और अन्य जगहों से लाए गए 30,000 से अधिक विशेष किस्म के बांस के पौधे यहां लगाए गए हैं। इस कार्यक्रम में विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद हर्षवर्धन, रमेश बिधूड़ी, विधायक एवं प्राधिकरण सदस्य ओपी शर्मा, मुख्यसचिव नरेश कुमार और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा सहित सिसली, मंगोलिया, माली, बुरुंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, मालदीव, लीबिया और पेरू के राजदूत और राजनयिक भी मौजूद रहे।

पतंग उड़ाने के लिए हवा में उछलती युवती। -फोटोः मिहिर सिंह

पतंग उत्सव में क्या है खास

इस पतंग उत्सव में पतंग गैलरी के रूप में पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने वाला एक थीम पेवेलियन है। यहां लोगों के लिए पतंग खरीदने और उड़ाने के लिए एक क्लासिक पतंग बाजार और पारंपरिक भोजन व हस्तशिल्प स्टॉल जैसे आकर्षण भी हैं। इसके अलावा भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता हुआ लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और किड्स जोन के रूप में बच्चों के लिए विशेष गतिविधियों की व्यवस्था भी की गई हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

sunday pioneer
| | SUNDAY | JANUARY 14, 2024
DATED

Kite festival celebrations on Makar Sankranti tribute to Lord Ram: LG

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Lt Governor Vinai Kumar Saxena on Saturday said the two-day international kite festival being celebrated in Delhi on the occasion of 'Makar Sankranti' is also a "tribute to one of our prime deities", Lord Ram. Lord Ram is said to have "flown kites in his childhood, along with his brothers," Saxena said.

He was addressing a gathering at the opening ceremony of the 'Patang Utsav' being hosted at 'Baansera' -- a sustainability-themed bamboo park located at Sarai Kale Khan on the banks of the river Yamuna.

The festival, being organised by Delhi Development Authority (DDA), has major attractions including a theme pavilion, which displays "history of kites, in the form of a kite gallery showing use of kites during times of war, fighter kites, and the significance of kites in India," according to officials.

The 'Patang Utsav' was inaugurated a day ahead of the 'Makar Sankranti' festival.

With more than 30 professional kitists from different states participating, the Kite festival, also has attractions like a theme pavilion displaying the history of kites in the form of kite gallery, a classical Patang Bazaar for people to buy and fly kites and traditional food and handicrafts stalls. Besides, cultural performances by folk artists showcasing India's cultural diversity and exclusive activities have been planned for kids in the form of a kids zone.

"We are celebrating today an international kite festival at a place that was reclaimed, rejuvenated and regenerated. This used to be a garbage dump of Delhi's construction and demolition waste. What you see now is a beautiful abode of bamboos," Saxena said.

He added that celebrating this kite festival on the occasion of 'Makar Sankranti' is "also a tribute to one of our prime deities, Lord Shri Ram, who is said to have flown kites in his childhood, along with his brothers". The Delhi Lt Governor also quoted a couplet from a scripture.

As a nation that possibly provided the world with its "fullest experience" in flying by human endeavours, this kite festival prevalent across the globe for centuries now, wouldn't have been more appropriate as "a symbol of basic human endeavour of soaring and breaking free," he said.

"This bamboo park, 'Baansera', is a tribute to that human endeavour. It aims at providing people of Delhi the much-needed public spaces in the capital on one hand, and on the other ensure that the rich biodiversity of the floodplains is preserved and maintained," Saxena said.

To enhance the ecological character of the Yamuna floodplains and make it more people-friendly by developing it as a recreational and cultural venue, Saxena had laid the foundation of 'Baansera' in August 2022 and it was developed in six months. More than 25,000 special varieties of Bamboo saplings brought from Assam were planted here.

A classic 'Patang Bazaar' is also operational here for people to buy and fly kites and embrace Delhi's skies with a "riot of colours", Saxena, also the chairman of the DDA, said on Saturday. "Besides, traditional food and handicraft stalls have also been set up for public, along with cultural performances by folk artistes to showcase our diversity. I assure you that many such events will be planned in the future to promote ease of living for the people of Delhi," he added.

On the occasion, the Lt Governor also unveiled the 2024 calendar published by the DDA. It contains images of various monuments and other public spaces in Delhi.

Union Minister of State for External Affairs & Culture, Meenakshi Lekhi, Members of Parliament, Harsh Vardhan, Ramesh Bidhuri and Gautam Gambhir, MLA O P Sharma, Chief Secretary Naresh Kumar and Delhi Police Commissioner Sanjay Arora were present on the occasion. Besides, foreign envoys and diplomats from countries like Seychelles, Mongolia, Mali, Burundi, Bolivia, Niger, Austria, Maldives, Libya and Peru also participated in the festival.

The 2-day festival will see over 30 professional kitists from Rajasthan, Sikkim, Maharashtra, Karnataka, Punjab, Lakshadweep and Gujarat exhibiting their art. Kites of various shapes, sizes and colours, including tri-colour, train and eagle will fly during the festival.

THE HINDU

Makar Sankranti kite festival is a tribute to Lord Ram: L-G

Delhi Lieutenant-Governor V.K. Saxena on Saturday said the two-day international kite festival being celebrated in Delhi on the occasion of Makar Sankranti is a "tribute to one of our prime deities – Lord Ram, who is said to have flown kites in his childhood, along with his brothers". The L-G made the comment while addressing a gathering at the opening ceremony of the 'Patang Utsav' being hosted at Baansera, a bamboo park at Sarai Kale Khan. PTI

रविवार
14.01.2024
dainikbhaskar.com

दो दिवसीय पतंग महोत्सव का आगाज, एलजी ने भी हाथ आजमाए

नई दिल्ली | एलजी विनय कुमार सक्सेना ने मकर संक्रांति उत्सव से पहले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव के उद्घाटन के दौरान शनिवार को पतंग उड़ाई। इस उत्सव का अयोजन सराय काले खां स्थित शहर के पहले बैंबू पार्क बांसेरा में किया जा रहा है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com
रविवार, 14 जनवरी 2024

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

आयोजन

अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव में विभिन्न राज्यों के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने दिखाया हुनर, मालदीव सहित कई देशों के राजदूतों ने लिया हिस्सा

ढील दे दे रे भैया..., बांसेरा में धूम, आसमान में लहराई पतंगें

अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव के दौरान पतंग उड़ाती महिला। जी पाल

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना किनारे सराय काले खां स्थित बांस थीम पार्क बांसेरा में शनिवार को उपराज्यपाल सहित कई देशों के राजदूत पतंग उड़ाते दिखाई दिए। मौका था अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का। यहां पर राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने सियाराम, तिरंगे, ट्रेन और चील सहित विभिन्न आकृतियों वाली पतंगें उड़ाईं। एलजी के साथ मालदीव सहित 10 देशों के विदेशी दूत व राजनयिकों ने भी पतंगबाजी में हाथ आजमाया।

शनिवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पहले अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया। रविवार तक चलने वाला यह महोत्सव सूर्य देव की उत्तरायण यात्रा और इससे जुड़े पर्व को दिखाता है। इस उत्सव का आयोजन डीडीए ने किया है। यहां लोगों को आकर्षित करने के लिए पतंगों के इतिहास को प्रदर्शित करने वाला एक थीम मंडप भी बनाया गया है। साथ ही लोगों के लिए पतंग खरीदने और उड़ाने के लिए एक शास्त्रीय पतंग बाजार और पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प स्टॉल भी लगाए गए हैं। समारोह में एलजी के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद हर्ष वर्धन, रमेश बिधूड़ी, गौतम गंभीर, विधायक ओ पी शर्मा, दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा सहित अन्य उपस्थित रहे। इसके अलावा, सेशेल्स, मंगोलिया, माली, बुरुंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, मालदीव, लीबिया और पेरू सहित अन्य देशों के विदेशी दूतों और राजनयिकों ने भी महोत्सव में भाग लिया।

महोत्सव के दौरान पतंग उड़ाते उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना, सांसद गौतम गंभीर, डॉ. हर्ष वर्धन व अन्य। अमर उजाला

पतंग उत्सव में शामिल हों लोग : एलजी

पतंग उत्सव के दौरान एलजी वीके सक्सेना ने सभी लोगों से इन उत्सव में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस त्योहार का आनंद उठाए। लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू, माघी, उत्तरायणी और पोंगल के शुभ अवसर पर त्योहारों का आनंद लेने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया गया है। बांसेरा को महज छह माह में तैयार किया गया है। इसमें असम सहित अन्य जगहों से लाए गए 30 हजार से अधिक विशेष प्रकार के बांस के पौधे यहां लगाए गए हैं। इसकी नींव अगस्त 2022 में रखी गई थी। डीडीए यमुना के बाढ़ क्षेत्र को सुंदर बनाकर इसका कायाकल्प कर रहा है।

---

14 जनवरी • 2024 | राष्ट्रीय सहारा

अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव भगवान राम को समर्पित : उप-राज्यपाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

मकर संक्रांति के मौके पर उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को यमुना के किनारे स्थित बांसेरा पार्क में दो दिवसीय (13 एवं 14 जनवरी) अंतरराष्ट्रीय पंतग उत्सव का शुभारंभ किया। इसमें राजस्थान से 30 से अधिक पेशेवर पंतगबाजों ने शिरकत किया।

इस मौके पर पंतगों की बिक्री के लिए बाजार लगाया गया था। लोगों ने सीताराम के नाम की पतंग को काफी पसंद किया। उपराज्यपाल ने कहा कि यह समारोह भगवान राम को समर्पित है। उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के वर्ष 2024 के प्रकाशित सालाना कैलेंडर का भी लोकार्पण किया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद रमेश बिधूड़ी, डॉ. हर्षवर्धन, गौतम गंभीर, डीडीए के सदस्य ओपी शर्मा, मुख्य सचिव नरेश कुमार, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा मौजूद थे। इसके अलावा सेशेल्स, मंगोलिया, मारी, बुरंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, मालदीप, लीबिया और पेरू के राजनयिक भी शामिल हुए। यमुना के किनारे आयोजित पंतग उत्सव में परंपरागत व्यंजनों के पांडाल लगाए गए थे। जगह-जगह रंगारंग कार्यक्रम और कठपुतली का खेल दर्शकों को लुभा रहे थे। उप-राज्यपाल ने कहा कि यमुना के किनारे भगवान राम भी अपने भाईयों के साथ पंतग उड़ाया करते थे। कभी यहां कूड़ा घर हुआ करता था आज हरा-भरा बांसेरा पार्क नजर आ रहा है। दिल्ली के लोगों के मनोरंजन के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला तैयार की गई है।

उप-राज्यपाल ने बांसेरा पार्क विकसित करने के लिए डीडीए के प्रयासों की सराहना की। अब लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ यहां आकर लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू, माघी, उत्तरायणी और पोंगल पर्व मना सकते हैं। इस मौके पर सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप एवं गुजरात के कलाकारों ने शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVI

the pioneer
MONDAY | JANUARY 15, 2024

5,000 visit Baansera to celebrate kite festival

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

More than 5,000 people visited the sustainability-themed bamboo park 'Baansera' here to celebrate the two-day international kite festival that ended on Sunday.The 'Patang Utsav' organised by the Delhi Development Authority (DDA) was inaugurated by Delhi Lieutenant Governor (LG) VK Saxena on Saturday.

According to DDA, people came out in large numbers with their families on the second day of the festival at 'Baansera' in the Sarai Kale Khan area on the banks of river Yamuna. According to Raj Niwas officials, over 5,000 people visited the park to celebrate the kite festival, and all tickets were sold out by the second day.

The festival's success has also opened the way for the DDA to organise more such events at different sites in the city, a senior official said.The officials said that cultural performances such as Bhangra, Garba, Ghoomar, and Bihu were also a big hit at the event.

The festival also saw over 30 kite enthusiasts from Rajasthan, Sikkim, Maharashtra, Karnataka, Punjab, Lakshadweep, and Gujarat exhibit their skills.Kites of various shapes, sizes, and colours, including those themed on the Indian national flag, trains, and eagles, were flown during the festival.

The festival also had major attractions like a theme pavilion displaying the history of kites in the form of a gallery, food stalls, and an exclusive kids' zone.Besides, handcraft stalls from various states, including Karnataka, Rajasthan, Bihar, and Himachal Pradesh, were put up during the festival. A 'Plant Bazaar' was also set up for people to buy plants.

Besides Saxena and other dignitaries, foreign envoys and diplomats from countries like Seychelles, Mongolia, Mali, Burundi, Bolivia, Niger, Austria, Maldives, Libya and Peru also participated in the festival, the official said.

The event was planned as a recreational opportunity for people to visit along with their families to enjoy festivals on the auspicious occasion of Lohri, Makar Sankranti, Bihu, Maghi, Uttarayani, and Pongal, he added.

Slum demolition sparks war of words between AAP, BJP

STAFF REPORTER ■
NEW DELHI

Delhi Cabinet ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj on Sunday visited slum clusters in the national Capital and accused the BJP of conspiring to remove slum dwellers while the Leader of Opposition in Delhi Assembly, Ramvir Singh Bidhuri slammed the Arvind Kejriwal government saying AAP leaders are shedding crocodile tears for the slum dwellers these days. "If slum dwellers are removed anywhere in Delhi, flats are ready in Delhi for their rehabilitation," he said.

On Sunday, Atishi visited B R camp slum while her Cabinet colleague Bharadwaj met residents of slums near the Safdarjung Flying Club in south Delhi.

"The BJP-led central government is conspiring to raze the slum areas of Delhi and relocate its residents 40 to 50 km away from their homes. AAP and (Delhi) Chief Minister Arvind Kejriwal are standing with them (slum dwellers)," Atishi said, during her visit to the slum cluster.

She said, "Today, I visited BR Camp, located just behind the Race Course, where approximately 500 houses are currently occupied. The BJP had promised residents, before every election, that it would provide a house in place of the existing houses they are living in. Residents of BR Camp showed the forms they had filled out before the elections to secure homes from the BJP".

" A notice by the DDA has been pasted on the houses, informing residents that their houses will be demolished. They have been told that some of them will get houses in Narela, which is about 50 kilometers from here. However, the people of BR Camp are sure that they want a house where they are already living because that is what the law also says," Atishi added.

Echoing similar views, Bharadwaj said that drivers, maids, cooks, etc have been living in Delhi's JJ clusters with their families.

Taking a dig at the AAP government, Delhi BJP President Virendra Sachdeva said the Modi government has built thousands of houses for the poor at Kathputli Colony, Kalkaji and Jailerwala Bagh in Delhi, but Arvind Kejriwal should tell how many houses he has given to the poor during his tenure.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com
सोमवार, 15 जनवरी 2024

----------DATED----------

बांसेरा में उड़ीं रंग-बिरंगी पतंगें

दो दिन में पांच हजार से अधिक लोग पहुंचे, समय से पहले टिकट खत्म

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना किनारे सराय काले खां स्थित बांसेरा में रविवार को भी रंग-बिरंगी पतंगें उड़ीं। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे लोगों ने पतंगबाजी के साथ साथ भांगड़ा, गरबा, घूमर-बिहू का जमकर आनंद लिया। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में पांच हजार से अधिक लोग पहुंचे।

रविवार को छुट्टी के दिन समय पहले ही सारी टिकटें खत्म हो गई थी। यहां लोगों को लुभाने के लिए डीडीए ने कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प भी मौजूद रहे। डीडीए के इस आयोजन में लोगों ने जमकर मस्ती की।

इस उत्सव की सफलता को देखते हुए डीडीए ने शहर के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश पर शहरभर में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बीते दो दिनों ने देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने अपना जौहर दिखाया। महोत्सव में पतंग गैलरी, स्वादिष्ट भोजन और विशेष बच्चों के क्षेत्र के रूप में पतंगों के इतिहास को प्रदर्शित करने वाले थीम मंडप जैसे प्रमुख आकर्षण भी थे।

उत्सव के दौरान अनूठी आकृतियों वाली पतंग उड़ाते लोग। - विवेक निगम

डीडीए ने अतिक्रमण हटाया

नई दिल्ली। डीडीए ने गोकलपुरी में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। इसके बावजूद इलाके के कुछ लोगों ने शुरूआत में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन पुलिस के समझाने के बाद वे शांत हो गए। डीडीए ने हरनाम पैलेस, अमर कॉलोनी, पूर्वी गोकलपुरी में अतिक्रमण हटाया। ब्यूरो

millenniumpost
15 JANUARY, 2024 | NEW DELHI

DDA ANTI-ENCROACHMENT DRIVE IN DELHI'S GOKALPURI

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) on Sunday cleared encroachment on government land in East Gokalpuri, officials said. A senior police officer said the anti-encroachment drive was underway at Harnam Palace, Amar Colony, East Gokalpuri in northeast Delhi on Sunday morning. "The northeast district is committed towards clearing the area both physically as well as from crime and criminals," the officer said.

Over 5,000 people visit Delhi's 'Baansera' park for kite festival

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: More than 5,000 people visited the sustainability-themed bamboo park 'Baansera' here to celebrate the two-day international kite festival that ended on Sunday, officials said.

The 'Patang Utsav' organised by the Delhi Development Authority (DDA) was inaugurated by Delhi Lieutenant Governor (L-G) V K Saxena on Saturday. They said people came out in large numbers with their families on the second day of the festival at 'Baansera' in the Sarai Kale Khan area on the banks of river Yamuna.

According to Raj Niwas officials, over 5,000 people visited the park to celebrate the kite festival, and all tickets were sold out by the second day.

The festival's success has also opened the way for the DDA to organise more such events at different sites in the city, a senior official said. The officials said that cultural performances such as Bhangra, Garba, Ghoomar, and Bihu were also a big hit at the event.

The festival also saw over 30 kite enthusiasts from Rajasthan, Sikkim, Maharashtra, Karnataka, Punjab, Lakshadweep, and Gujarat exhibit their skills.

Kites of various shapes, sizes, and colours, including those themed on the Indian national flag, trains, and eagles, were flown during the festival.

The festival also had major attractions like a theme pavilion displaying the history of kites in the form of a gallery, food stalls, and an exclusive kids' zone.

Besides, handcraft stalls from various states, including Karnataka, Rajasthan, Bihar, and Himachal Pradesh, were put up during the festival. A 'Plant Bazaar' was also set up for people to buy plants.

Besides Saxena and other dignitaries, foreign envoys and diplomats from countries like Seychelles, Mongolia, Mali, Burundi, Bolivia, Niger, Austria, Maldives, Libya and Peru also participated in the festival, the official said. The event was planned as a recreational opportunity for people to visit along with their families to enjoy festivals on the auspicious occasion of Lohri, Makar Sankranti, Bihu, Maghi, Uttarayani, and Pongal, he added.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | MONDAY, 15 JANUARY, 2024

ERS----------DATED----------

'WE WILL NOT LET PEOPLE LIVING IN JHUGGIS OF BR CAMP BECOME HOMELESS'

AAP leaders Atishi, Bharadwaj vow to protect rights of slum dwellers

AIMAN FATIMA

NEW DELHI: In a strong stance against the demolition of slums in Delhi, Aam Aadmi Party (AAP) leaders Atishi and Saurabh Bharadwaj expressed their firm commitment to protecting the rights of slum dwellers.

Atishi, while visiting BR Camp behind Race Course, addressed the looming threat of demolition faced by residents. The Delhi Cabinet Minister asserted, "Whether we have to stand in front of bulldozers or obtain orders from the court, Aam Aadmi Party will not let the people living in jhuggis of BR Camp become homeless."

Atishi highlighted the contradiction between pre-election promises made by the Bharatiya Janata Party (BJP) and the post-election actions of the Delhi Development Authority (DDA), stating, "Ahead of elections, BJP always promises people to give them houses in the place as their existing houses, but as soon as the elections get over, all the promises fall flat."

She condemned the BJP-led DDA's plan to relocate residents to Narela and Kakrola, disrupting their lives and pushing them miles away from work and schools.

Furthermore, Atishi emphasised the AAP's commitment, declaring, "Until Arvind Kejriwal is Chief Minister of Delhi, we will not let this happen. We will fight for the rights of these slum dwellers on the roads of Delhi, by standing in front of bulldozers, in court, and in Parliament."

Additionally, Bharadwaj also echoed these sentiments during the launch of AAP's campaign, 'Ghar bachao, BJP hatao,' against the BJP-led central government's policy of rendering slum-dwellers homeless.

He urged the judiciary to refrain from ordering demolitions until in-situ housing is provided, citing violations of laws, court orders, and humanitarian principles.

Bharadwaj accused BJP-controlled agencies, including DDA, Railways, ASI, and Delhi Police, of demolishing slums unlawfully.

Expressing concerns over the situation in the Safdarjung Flying Club's slum cluster, Bharadwaj highlighted a notice issued by Railways, stating, "The notice orders the dwellers to shift from this place to some other place themselves. The responsibility of displacement lies with the agency to which the land belongs. This land belongs to the Central Government, hence it is the responsibility of DUSIB (Delhi Urban Shelter Improvement Board)."

He termed the notice as 'ridiculous and cruel' and emphasised the need for adherence to legal norms for in-situ rehabilitation.

Bharadwaj criticised the BJP's approach, alleging, "The Bharatiya Janata Party says what to do for so many homeless people. When you destroy those people and make them homeless, then what else can be done?" He accused the BJP of misleading the courts and urged the judiciary to consider the rights and well-being of slum-dwellers.

As the AAP leaders intensify their efforts to safeguard slum communities, the clash over the demolition issue remains a focal point, with legal battles and public awareness campaigns being key components of their strategy.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

15 जनवरी • 2024 राष्ट्रीय सहारा

गढ़वाली, कुमांउनी व जौनसारी अकादमी का उत्तरैणी मकरैणी महोत्सव आयोजित

नई दिल्ली (एसएनबी)। गढ़वाली, कुमांउनी एवं जौनसारी अकादमी की ओर से रविवार को पूर्वी दिल्ली में 'उत्तरैणी मकरैणी महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। वेस्ट विनोद नगर एवं मंडावली में स्थित डीडीए पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। दिल्ली की मेयर शैली ओबेराय ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी को उत्तरैणी मकरैणी की बधाई दी और उत्तराखंडवासियों से दिल्ली के विकास में अपना सहयोग बनाए रखने की अपील की।

इस मौके पर गढ़वाली, कुमांउनी एवं जौनसारी अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप भंडारी ने कहा कि हमारा मकसद उत्तराखंड के लोगों को उनकी संस्कृति से जोड़ना है, जिसमें कामयाबी भी मिल रही है। हमारी कोशिश है कि उत्तराखंडवासियों के उत्थान में कार्यरत सभी सामाजिक संस्थाएं एकजुट होकर उत्तरैणी पर्व को भव्य तरीके से मनाएं ताकि उत्तराखंड की रंगारंग लोक-संस्कृति और कला के भव्य दर्शन हो सकें। समारोह में उत्तराखंड की लोक संस्कृति से जुड़े रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। दिल्ली की युवा प्रतिभाओं ने गायन और नृत्य कला का प्रदर्शन किया। दिल्ली सरकार के सौजन्य से आयोजित इस समारोह में उत्तराखंड के मशहूर लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी ने अपने परिचित अंदाज में युगल प्रेम गीत प्रस्तुत किया। उनके साथ-साथ बिशन हरयाला, अनुराधा निराला और मंजू नौटियाल सहित अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

वेस्ट विनोद नगर और मंडावली स्थित डीडीए पार्क में गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी अकादमी, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित 'उत्तरैणी मकरैणी महोत्सव' सामूहिक नृत्य करते लोग। फोटो : एसएनबी

- हमारा मकसद उत्तराखंड के लोगों को उनकी संस्कृति से जोड़ना है : डा. कुलदीप भंडारी
- दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने दी बधाई

उत्तराखंड की शान बढ़ाने वाले इन कलाकारों को आयोजकों की ओर से सम्मानित भी किया गया। मेयर शैली ओबेरॉय ने दिल्ली में निवास करने वाले उत्तराखंड के वरिष्ठ नागरिकों को उत्तराखंड की परंपरागत टोपी पहनाकर सम्मानित किया। दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दूसरे दिन 15 जनवरी को खिचड़ी वितरण और कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

अक्षत वितरण में जुटे कई विभागों व एजेंसियों के अधिकारी

■ ज्ञानप्रकाश

नई दिल्ली। एसएनबी

अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को लेकर दिल्ली नगर निगम, दिल्ली छावनी परिषद, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद समेत कई एजेंसियों के अधिकारी लोगों को आमंत्रित करने में जुटे हैं। उनका कहना है कि हम हैं राम के राम है सबमें, सिया राम में हर वर्ग की सम्पूर्ण आस्था है। डीडीए, दिननि, दिल्ली सरकार, एनडीएमसी पार्कों में अक्षत वितरण का नजारा रोजाना देखने को मिल रहा है।

केंद्र सरकार कर्मचारी योजना (सीजीएचएस) के मंत्री दिलबाग ने बताया कि दिल्ली समेत देशभर में 24 लाख से अधिक सीजीएचएस के लाभार्थी हैं। इसके साथ ही करीब 16 हजार सीजीएचएस के स्वास्थ्यकर्मी और डाक्टर्स हैं। सभी अक्षत वितरण समारोह के भागीदार बन रहे हैं। लोगों को अपने घर के निकट के मंदिर में 11 दिए जलाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग इंजीनियर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिकारी डा.सजल मित्रा ने कहा कि विभिन्न भवनों के रखरखाव, अयोध्या नगरी में कार सेवा दे रहे सरकारी इंजीनियर्स, अनुबंध पर रखे गए एजेंसियों में कार्यरत कारसेवकों के साथ उनके परिजनों को भी अक्षत वितरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह 27 लाख से अधिक लोगों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सरीख होने का न्यौता अब तक दे दिए हैं।

प्राण-प्रतिष्ठा
8 दिन शेष

- प्राण प्रतिष्ठा समारोह को यादगार बनाने की तैयारी
- पार्कों में रोजाना देखने को मिल रहा वितरण समारोह का नजारा

चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने रविवार को पूर्वी गोकलपुरी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर पूर्व दिल्ली के हरनाम पैलेस, अमर कॉलोनी और पूर्वी गोकलपुरी में रविवार सुबह अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। उत्तर पूर्व जिला क्षेत्रों को अवैध कब्जे के साथ ही अपराध एवं अपराधियों से मुक्त कराने के लिए कटिबद्ध है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी DELHI ▸ 15 जनवरी, 2024 ▸ सोमवार
OF NEWSPAPERS ---------- DATED ----------

अभियान | कोर्ट के आदेशों और मानवीयता के खिलाफ जाकर झुग्गियां तोड़ रही भाजपाः भारद्वाज

आप ने शुरू किया 'घर बचाओ भाजपा हटाओ' अभियान

- झुग्गीवासियों के साथ खड़े हैं सीएम केजरीवालः आतिशी
- आतिशी बीआर कैंप और सौरभ भारद्वाज ने सफदरजंग फ्लाइंग कैंप क्लब का किया दौरा

मंत्री आतिशी ने लोगों की बातें सुनी और उनका हालचाल जाना।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को नई दिल्ली विधानसभा से 'घर बचाओ-भाजपा हटाओ" अभियान की शुरूआत की और झुग्गियों में रह रहे गरीब लोगों को भरोसा दिया कि सीएम अरविंद केजरीवाल पूरी मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। रविवार को दिल्ली सरकार की कैबिनेट मंत्री एवं आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने जेजे क्लस्टर बीआर कैंप और सौरभ भारद्वाज ने सफदरजंग फ्लाइंग कैंप क्लब में जाकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान आतिशी ने कहा कि भाजपा ने झुग्गीवासियों को घर देने का वादा किया था लेकिन चुनाव खत्म होते ही झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस दे दिया। इससे साफ है कि केन्द्र सरकार और भाजपा गरीब विरोधी हैं और वो दिल्ली को गरीबों से मुक्त कराना चाहते हैं। लेकिन जब तक लोगों को घर नहीं मिल जाता है तब तक हम किसी भी झुग्गी को तोड़ने नहीं देंगे। वहीं वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में जितने भी जेजे क्लस्टर्स सरकार में सूचीबद्ध हैं, वहां रह रहे लोगों को मकान देने के बाद ही उनकी झुग्गियों को तोड़ा जा सकता है।

बीआर कैंप में लोगों से मुलाकात कर आतिशी ने कहा कि चुनावों से पहले भाजपा हमेशा लोगों को उनके मौजूदा घरों के स्थान पर नया घर देने का वादा करती है लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हो जाते हैं, सभी वादे घरे के घरे रह जाते हैं। दिल्ली भर में विभिन्न स्थानों पर झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। लेकिन जब तक अरविंद केजरीवाल दिल्ली के सीएम हैं, हम भाजपा को दिल्ली की झुग्गियों में किसी का भी घर नहीं तोड़ने देंगे और इसके लिए सड़क से लेकर संसद तक लड़ेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम लोगों के साथ मिलकर उनके घरों को बचाने के लिए बुलडोजर के सामने खड़े होंगे। उधर सफदरजंग फ्लाइंग कैंप की झुग्गियों में गये कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कुछ महीने से देखा जा रहा है कि भाजपा सरकार आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, रेलवे, डीडीए, एलएनडीओ एजेंसियों की जमीन पर जहां भी जेजे क्लस्टर्स हैं, उनको हटाने की साजिश की जा रही है। हालांकि देश और दिल्ली के कानून में यह बात पूरी तरह साफ है। दिल्ली में जो भी पुराने जेजे क्लस्टर्स हैं, वो दिल्ली सरकार में सूचीबद्ध हैं और यह सूची कोर्ट के पास भी है। यह जेजे क्लस्टर्स इतने पुराने हैं कि कानूनी तौर पर उनको उजाड़ा नहीं जा सकता है। जेजे क्लस्टर्स को उजाड़ने से पहले उनमें रहने वाले लोगों को वहीं पर इन-सीटू मकान देने पड़ेंगे। जब लोग मकान में शिफ्ट हो जाएंगे, उसके बाद ही झुग्गियों को तोड़ा जा सकता है। देश के कानून और कोर्ट के आदेशों और मानवीयता के खिलाफ भाजपा की डीडीए, रेलवे, एएसआई, दिल्ली पुलिस बार-बार ध्वस्तीकरण कर रहे हैं।

पतंग उत्सव में पहुंचे पांच हजार लोग

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): यमुना के तट पर सराय काले खां के पास स्थित दिल्ली के पहले बांस-थीम पार्क बांसेरा में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 'पतंग उत्सव' रविवार को समाप्त हो गया। अंतिम दिन पतंग उत्सव में 5,000 से अधिक लोग पहुंचे जिससे दूसरे दिन तक सभी टिकटें बिक गईं। इस महोत्सव की सफलता ने डीडीए को शहरभर के विभिन्न स्थानों पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का रास्ता भी खोल दिया है। स्थल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे भांगड़ा, गरबा, घूमर और बिहू के शानदार प्रदर्शन से लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार को एलजी वीके सक्सेना द्वारा किया गया था। डीडीए द्वारा आयोजित इस महोत्सव में राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। उत्सव के दौरान तिरंगे, ड्रेन और चील सहित विभिन्न आकृतियों, आकारों और रंगों की पतंगें उड़ाई गईं। महोत्सव में पतंग गैलरी, स्वादिष्ट भोजन और विशेष बच्चों के क्षेत्र के रूप में पतंगों के इतिहास को प्रदर्शित करने वाले थीम मंडप जैसे प्रमुख आकर्षण भी थे। इसके अलावा महोत्सव में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प स्टॉल भी प्रदर्शित किये गये। लोगों को पौधे खरीदने के लिए यहां एक पौधा बाजार भी लगाया गया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर | नई दिल्ली, सोमवार 15 जनवरी, 2024 ----------DATED----------

कई विदेशी दूत और राजनयिक पहुंचे
देश-विदेश के 5 हजार लोगों ने उठाया पतंग महोत्सव का लुत्फ

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

सराय काले खां स्थित बाबू पार्क बांसेरा में दो दिवसीय आयोजित अंतराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में रविवार को करीब 5 हजार लोग पहुंचे। उन्होंने सिर्फ पतंग बाजी का ही आनंद नहीं उठाया, बल्कि खूब मौज मस्ती भी की। इस महोत्सव का उद्घाटन 13 जनवरी को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा किया गया था, जहां पर मंगोलिया, माली, बुरुंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, मालदीव, लीबिया और पेरू जैसे देशों के विदेशी दूतों और राजनयिकों ने भी महोत्सव में भाग लिया।

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन से अब डीडीए शहर भर में अपने द्वारा विकसित विभिन्न स्थानों पर इस तरह के ओर कार्यक्रम आयोजित करने की प्लानिंग कर रहा है। यहां भांगड़ा, गरबा, घूमर और बिहू जैसी सांस्कृतक प्रस्तुतियां देख लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस महोत्सव में राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। उत्सव के दौरान तिरंगे, ट्रेन और चील सहित विभिन्न आकृतियों, आकारों और रंगों की पतंगें उड़ाई गईं। यहां लोगों को पौधे खरीदने के लिए पौधा बाजार भी लगाया गया।

पतंगों का इतिहास प्रदर्शित करने वाले थीम मंडप भी थे

इस पतंग महोत्सव में पतंग गैलरी, स्वादिष्ट भोजन और विशेष बच्चों के क्षेत्र के रूप में पतंगों के इतिहास को प्रदर्शित करने वाले थीम मंडप जैसे प्रमुख आकर्षण भी थे। इसके अलावा महोत्सव में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प स्टॉल भी प्रदर्शित किए गए। इन स्टॉलों से लोगों ने जमकर खरीददारी का आनंद उठाया।

डीडीए ने पूर्वी गोकुलपुरी में बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन मुक्त कराई

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

डीडीए ने रविवार को भी पूर्वी गोकुलपुरी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाया। डीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। वहीं पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर पूर्व दिल्ली के हरनाम पैलेस, अमर कॉलोनी और पूर्वी गोकुलपुरी में रविवार सुबह बुलडोंजर चलाकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

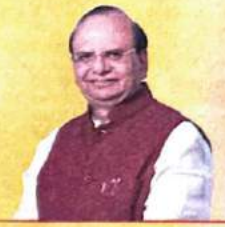

the pioneer
| SATURDAY | JANUARY 13, 2024

APERS---------------------------------------D

millenniumpost
NEW DELHI | SATURDAY, 13 JANUARY, 2024

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
DELHI

13 जनवरी, 2024

अमर उजाला

Where Development Values Nature

उत्तरायणी रंगों का उत्सव

DDA's पतंग उत्सव

अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव

13-14 जनवरी, 2024

बांसेरा

सराय काले खां के निकट, नई दिल्ली

जहां लगभग 100 एकड़ बंजर एवं सीएंडडी मलबे से पटी भूमि को एक स्वच्छ, हरित सार्वजनिक स्थान के रूप में पुनर्जीवित किया गया है।

उद्घाटन

श्री विनय कुमार सक्सेना

माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली
के कर-कमलों द्वारा

दिनांक: 13 जनवरी, 2024

लोकेशन के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

13 जनवरी 2024 | दोपहर 12 बजे से

14 जनवरी 2024 | सुबह 10 बजे से

मुख्य आकर्षण

- भारत और विदेश की अद्भुत पतंगों का प्रदर्शन
- पतंगों के इतिहास पर थीम पवेलियन
- पतंग बाज़ार
- पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प स्टॉल
- लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति
- बच्चों के लिए विशेष आकर्षण

आइए लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, माघी और उत्तरायणी का भव्य उत्सव मनाइए।

दिल्ली विकास प्राधिकरण

प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति ₹50/-
10 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, विकास सदन, आईएनए, नई दिल्ली-110023 | हमें फॉलो करें official_dda ddaofficial official_dda_ Official_dda

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 13, 2024

Non-members can pay & use outdoor sports facilities at Roshanara Club

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: After sealing the 100-year-old Roshanara Club last September, the Delhi Development Authority (DDA) has decided to open to non-members its outdoor sports facilities such as lawn tennis, basketball, cricket and mini-football from Saturday.

"DDA has decided to open the lawn tennis, basketball, cricket and mini-football (futsal) ground of the club for the public from 9am from January 13 at a nominal price on the basis of pay and play," the land-owning agency stated. DDA had sealed the historic club on September 29, 2023 after its two leases expired.

The club is committed to provide a top-notch sports experience so that fitness enthusiasts can indulge in their favourite outdoor activities, DDA stated. While the charges for tennis (synthetic court) is Rs 240 per hour between 7am and 5pm, for the clay court, it will be Rs 100 for 40 minutes during the same period. For basketball, people will be charged Rs 100 for 1 hour from 7am to 5pm.

Rajesh Mehta

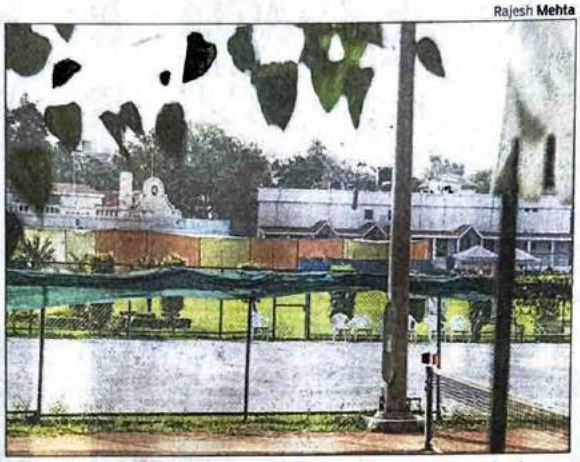

DDA had sealed the club in September after its two leases expired

The cricket facility will cost people Rs 11,800 from 9am to 4pm on weekdays and Rs 16,500 on weekends. The charge for futsal on weekdays will be Rs 1,560 for an hour between 7am and 5pm and Rs 3,120 on the weekend.

DDA had earlier told Delhi High Court that it planned to open the outdoor area of Roshanara Club, the cradle of Indian cricket. The club would remain the same, but the ownership would be with the land-owning body, DDA had clarified during the hearing of a contempt petition filed by Roshanara Club Ltd after the sealing.

DDA sealed the club and took its possession last September, nearly six months after serving an eviction notice as the club's two leases had expired. According to DDA, two parcels of land were leased out to Roshanara Club Limited for 30 years, subject to an extension for 60 more years.

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 13, 2024

Work started to revive pond in Vasant Kunj, DDA informs NGT

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi Development Authority has informed National Green Tribunal that it has initiated the process to rejuvenate a pond in Vasant Kunj. The authority will float a tender to hire an agency for daily cleaning of the pond, including in situ bioremediation, for six months.

"The pond behind E-2 Pocket, Vasant Kunj, has been cleaned by DDA. However, as directed by DPCC, fresh tender is to be taken up for further cleaning of pond on regular basis," said DDA in a report submitted to NGT.

Besides, Delhi Jal Board will set up a sewage treatment plant to trap sewage from the nearby areas.

In a petition to the green tribunal in September 2022, the resident welfare associations in Vasant Kunj's E block had complained about dust upliftment in the area. After NGT started hearing the matter, it was discovered that a pond was in bad shape.

Fresh tender will be taken up for further cleaning of the pond regularly

"DDA is cleaning the malba or garbage around the waterlogged area or pond on a regular basis and currently the DDA is in the process of floating fresh tender for the purpose of daily cleaning of pond area for the contract period of six months. It is also pertinent to note that this tender is for in situ bioremediation wherein extensive cleaning will be made, including the removal of floating plants and other materials, from the pond," said the DDA report.

The tribunal was also informed that a team comprising the officials of DDA, DJB and DPCC convened with the issue related to find a suitable solution for the disposal of wastewater coming from the unauthorised colony of Mahipalpur and Rangpuri on open DDA land.

"DDA is in the process to identify and handover the land to DJB for STP so that water can be diverted to the STP and after treatment it can be used for development of green areas in South Delhi. Most of the land for construction of STP has been identified," added the report.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, SATURDAY, JANUARY 13, 2024

DDA OPENS 100-YEAR-OLD FACILITY TO NON-MEMBERS

Now, public can avail of outdoor sports facilities at Roshanara Club

UPASIKA SINGHAL
NEW DELHI, JANUARY 12

THE GENERAL public can now avail of outdoor sports facilities at Roshanara Club. The Delhi Development Authority (DDA) decided Friday to open the historic club to non-members for facilities such as lawn tennis, basketball, football, and mini-football from January 13 onwards for a nominal fee.

"DDA Roshanara Club is committed to providing a top-notch sports experience so that fitness enthusiasts can indulge in their favourite outdoor activities. Everyone is requested to come and have the best experience...," it said in a statement.

The club will be open on all days of the week, except Monday, from 7 am to 5 pm.

Considered the birthplace of the Board of Control for Cricket in India (BCCI), which took shape here back in 1928, the club was sealed on September 29 last year by the DDA after its two leases expired. According to the DDA, two parcels of land had been leased to Roshanara Club Limited for 30 years, subject to extension for 60 more years. During the British Raj, the Secretary of State for India in Council granted Roshanara Club Ltd. two pre-mium-free leases on an annual rent basis for 30 years each.

In September last year, the DDA sealed the 100-year-old club after its two leases expired. *Archive*

The DDA stated that the 100-year-old club could extend each lease for two additional periods of 30 years, totaling a maximum of 90 years. The first lease began in September 1922 and the second in January 1928, expiring in August 2012 and December 2017, respectively.

The club was given a total area of 23.29 acres under these leases, the DDA stated, adding that there were no provisions in the lease agreements for renewal or extension beyond the 90-year limit.

Last November, the DDA stepped up the pressure on the colonial-era club demanding Rs 2,485.76 crore in damages for occupying the agency's land beyond the lease expiration. President of the club, Manish Aggarwal, had expressed surprise at the sudden demand for damages, stating, "We had never received any notice for damages before, so why the sudden demand?"

DDA allots 181 acres in Narela to 7 institutes to set up campuses

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JANUARY 12

THE DELHI Development Authority (DDA) has allotted 181 acres of land to seven government institutes for development of their campuses in Narela, in an effort to transform the Narela sub-city into an 'education hub'.

In October last year, L-G VK Saxena had asked the DDA to develop Narela into an 'education hub', in addition to the other residential and other projects in the area. The DDA has allotted land in Narela to Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University; Guru Gobind Singh Indraprastha University; Delhi Skill and Entrepreneurship University; Indraprastha Institute of Information Technology; Delhi Technological University; Delhi Teachers University; and Indira Gandhi Delhi Technical University for Women.

NEW DELHI
SATURDAY
JANUARY 13, 2024
Hindustan Times

181 ACRES OF DDA LAND ALLOTTED TO 7 GOVT VARSITIES, SAYS LG OFFICE

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) has allotted 181-acre land to seven different government universities and institutions of the city for campus development. In addition to this, 1,082 already built flats in the area have also been allotted to these universities as per demand, the LG office said on Friday.

"LG VK Saxena had, in a meeting with officials in October last year, directed that apart from the ongoing developments in the area that include residential, courts, police, hospital and prison complexes, DDA should strive to develop the Narela sub-city into an educational hub. This, apart from providing much-needed land to cramped university campuses, would also provide a fillip to the infrastructural development of the Narela sub-city," the LG office added. The move will result in DDA earning about ₹1,300 crore for the land and additional revenue for the flats.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 13 जनवरी 2024

NAME OF NEWSPAPERS ---------- DATED----------

अनधिकृत कॉलोनियों के लिए भी क्लियर पॉलिसी है मौजूद

NBT रीडर्स के रीडिवेलपमेंट से जुड़े सवालों के जवाब दिए एक्सपर्ट्स ने

NBT कायापलट

घर वहीं, सूरत नई

दिल्ली में रीडिवेलपमेंट की बढ़ती मांग को लेकर एनबीटी की मुहिम 'घर वहीं, सूरत नई' के तहत काफी संख्या में पाठक अपने सवाल हमें भेज रहे हैं। मुहिम को सभी जगह से लोगों का समर्थन मिल रहा है। इसमें कुछ में लोग अपने खराब हो चुके फ्लैट्स की हालत बयां कर रहे हैं तो कुछ पूछ रहे हैं कि रीडिवेलपमेंट वे किस तरह करवा सकते हैं। एनबीटी ने इन सवालों के जवाब डीडीए के पूर्व प्लानिंग कमिश्नर ए के जैन से जानने की कोशिश की:

Q CGHS सोसायटी में रीडिवेलपमेंट का प्रॉसेस क्या है? - आशीष जोशी

आरडब्ल्यूए को रिजॉल्युशन पास करना होगा इसमें सभी लोग सहमत होंगे। इसके बाद आरडब्ल्यूए एक आर्किटेक्ट को इंगेज करेगी और वह सीजीएचएस से सभी डॉक्युमेंट कलेक्ट कर एक रीडिवेलपमेंट का प्रपोजल बनाएगा। इसके कई ऑप्शन हो सकते हैं मौजूदा बिल्डिंग में रेट्रोफिटिंग करके या पूरी नई बिल्डिंग बना कर। इससे आठ फ्लोर बनाने तक की मंजूरी मिल जाती है। 10 प्रतिशत एरिया कमर्शल इस्तेमाल किया जा सकता है, 400 स्क्वायर मीटर का कम्युनिटी हॉल, 100 स्क्वायर मीटर का सीनियर सिटिजन हॉल बना सकते हैं। यह बिल्डिंग प्लान बनाकर एमसीडी को सबमिट करना होगा। ऐसा हो सकता है कि एमसीडी उसे रेफर करे डीडीए को अन्य क्लैरिफिकेशन के लिए। कुछ सोसायटी में इस तरह का प्लान हो रहा है।

Q लोदी रोड हरिजन कैंप में 500 परिवार रहते हैं। ऐसी कुछ कॉलोनियों का इन-सीटू के तहत रीडिवेलपमेंट हुआ है। हम किस तरह रीडिवेलपमेंट कर सकते हैं। - राकेश बेरवा, आरडब्ल्यूए प्रेजिडेंट, हरिजन कैंप, लोदी रोड

मास्टर प्लान-2021 में इन सीटू रीडिवेलपमेंट का प्रावधान है लेकिन इसमें एरिया सर्वे डूसिब करता है। इसमें देखना होगा कि जिस जमीन पर स्लम है उसका लैंड यूज क्या है। यदि उसका लैंड यूज रीक्रिएशनल है, ग्रीन है, रोड है तो वहां पर इन-सीटू रीडिवेलपमेंट नहीं हो सकता। ऐसे मामलों में आसपास जो उपलब्ध साइट होगी वहीं यह रीडिवेलपमेंट हो सकता है। डूसीब ने कुछ जगहों पर ऐसे रीडिवेलपमेंट किए हैं। लोग इसी पॉलिसी के तहत संबंधित डिपार्टमेंट में रीडिवेलपमेंट के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

Q अनधिकृत कॉलोनियों में रीडिवेलपमेंट कैसे करवा सकते हैं? -हरदीप सिंह टोकस

इन कॉलोनी की पॉलिसी क्लीयर है। 1700 से अधिक अनधिकृत कॉलोनी की लिस्ट सरकार के पास है। सबसे पहले पीएम-उदय में आपको अपनी प्रॉपर्टी के ऑनरशिप डाक्युमेंट्स बनवा लेने चाहिए। इसके बिना आपके इलाके में कोई रीडिवेलपमेंट नहीं हो सकता। यह काम डीडीए कर रहा है। इसके बाद आप रीडिवेलपमेंट प्लान को लेकर एमसीडी के पास जा सकते हैं।

Q क्या डीडीए के एक्सपेंडेबल फ्लैट्स का रीडिवेलपमेंट हो सकता है। - कुलदीप बत्रा

इनमें रीडिवेलपमेंट की प्रक्रिया हो सकती है। रीडिवेलपमेंट के लिए बिल्डिंग प्लान के सभी डाक्युमेंट एकत्रित कर अपना प्रपोजल एमसीडी को सबमिट करें।

रीडिवेलपमेंट ज़रूरी, लेकिन सही तरीके से : एक्सपर्ट

NSUT की आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग डिपार्टमेंट की हेड **प्रो सीमा खरबंदा** कहती हैं, रीडेवलपमेंट तभी सही तरीके से होगा, जब लोगों को नुकसान ना हो। हमने कठपुतली कॉलोनी के रीडिवेलपमेंट में देखा है, जहां बहुत देरी भी हुई और लोगों को काफी नुकसान हुआ। रीडिवेलमेंट एक सिस्टम और बेहतर तरीके से हो सके, इसके लिए पैनल्टी क्लॉज लगाया जाना जरूरी है। सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के डीडीए के ऑप्शन पर उन्होंने कहा, डीडीए का लोगों को फ्लैट के बदले दूसरे इलाके में फ्लैट देने का ऑप्शन बिल्कुल व्यवहारिक नहीं, यह गलत है। घर लेते समय लोग जॉब, बच्चों की एजुकेशन के हिसाब से एरिया चुनते हैं। उन्हें दूसरे एरिया में ले जाया गया कि उनके जीवनयापन पर निगेटिव असर पड़ेगा। फ्लैट वापस करने के ऑप्शन में मार्केट रेट के हिसाब से इंटरेस्ट रेट 10.6 प्रतिशत काफी कम है। तीसरा ऑप्शन नए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में उसी जगह फ्लैट और कंस्ट्रक्शन पीरियड तक रेंट देने का है। यह अच्छा ऑप्शन और लोगों को पसंद भी आ सकता है, बशर्ते रेंट वाजिब दिया जाए और प्रोजेक्ट वक्त पर खत्म हो।

सवालों के जवाब भी

अगर रीडिवेलपमेंट को लेकर मन में कोई सवाल है तो उनका जवाब भी हम एक्सपर्टस की मदद से देंगे। रीडिवेलपमेंट पर अपनी राय, सुझाव और सवाल आप ईमेल भी कर सकते हैं। अपना नाम, मोबाइल नंबर और अपने बारे में जरूरी जानकारी nbtreader@timesgroup.com पर भेज दें। सब्जेक्ट में Redevelopment जरूर लिखें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 13 जनवरी 2024 D----------------------

सात सरकारी यूनिवर्सिटीज़ और संस्थान किए जाएंगे तैयार

अब नरेला बनेगा एजुकेशन हब, DDA ने दी 181 एकड़ ज़मीन

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

नरेला सब-सिटी को एजुकेशन हब के रूप में विकसित और स्थापित करने के लिए एलजी वी.के. सक्सेना के निर्देश पर डीडीए ने 181 एकड़ जमीन आवंटित की है। इसका इस्तेमाल दिल्ली की सात सरकारी यूनिवर्सिटीज और संस्थानों के कैंपस बनाने में किया जा सकेगा। इन यूनिवर्सिटीज की जरूरतों और मांगों को ध्यान में रखते हुए इनके लिए नरेला में पहले से बने 1082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं। इस कदम से नरेला सब-सिटी में तेजी से विकास होने की उम्मीद है। साथ ही डीडीए को भी जमीन और फ्लैटों के जरिए राजस्व के तौर पर लगभग 1300 करोड़ रुपये मिलेंगे। बता दें कि जब से एलजी ने नरेला को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की पहल शुरू की है, उसके बाद से पिछले एक डेढ़ साल में ही डीडीए अपनी परियोजनाओं के बिना बिके फ्लैटों में से लगभग 8000 फ्लैट्स बेचने में सफल रहा है।

DDA को ज़मीन और फ्लैटो से मिलेगा लगभग 1300 करोड़ का रेवेन्यू

एलजी ने पिछले साल अक्टूबर में अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया था कि नरेला में पहले से जारी विकास कार्यों जैसे कि जेल, कोर्ट, अस्पताल और आवासीय परिसरों के निर्माण के अलावा डीडीए को नरेला सब-सिटी को एक एजुकेशन हब के रूप में भी विकसित करने कोशिश करनी चाहिए। इससे यूनिवर्सिटीज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को शहर में अपने नए कैंपस बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही नरेला में बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। इस मुद्दे पर यूनिवर्सिटी और शिक्षण संस्थानों के साथ कई बैठकें की गईं, जिसमें सभी ने अपनी लंबित मांगें एलजी के सामने रखीं। उसी के बाद डीडीए ने तेजी से काम करते हुए रिकॉर्ड टाइम में जमीनों का अलॉटमेंट कर दिया।

अब तक इन संस्थानों को अलॉट हो चुकी है ज़मीन

संस्थान	जमीन अलॉट
दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी(DPSRU)	16.73 एकड़
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी(GGSIPU)	22.43 एकड़
दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय(DSEU)	10 एकड़
इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली(IIIT-D)	20 एकड़
दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी(DTU)	47.46 एकड़
दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी(DeTU)	12.69 एकड़
इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर विमन(IGDTUW)	50 एकड़

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 13 जनवरी 2024 ED----------

केंद्र झुग्गियां हटाने की साजिश रच रहा है :आप

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर सनसनीखेज आरोप लगाया। लोकसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में इस आरोप के कई मायने निकाले जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं और दिल्ली सरकार के मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि बीजेपी शासित केंद्र सरकार दिल्ली में बड़े पैमाने पर झुग्गियां हटाने की सुनियोजित साजिश रच रही है।

आतिशी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने 9 नवंबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में एक मीटिंग ली, जिसमें दिल्ली की सभी लैंड ओनिंग एजेंसियों डीडीए, एमसीडी, रेलवे, एलएंडडीओ के सभी अधिकारियों को बुलाया गया था। उस मीटिंग में आदेश दिया गया कि दिल्ली में झुग्गियों को पूरी तरह साफ करना है। आतिशी का कहना है कि ये केवल एक-दो झुग्गियों की बात नहीं है, बल्कि बड़े पैमाने पर झुग्गियों को हटाने का प्लान है, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाएंगे। उन्हें सड़क पर रहने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी चुनाव से पहले झुग्गी वालों से फार्म भरवा के उन्हें पक्के मकान देने का वादा करती है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उन झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस आ जाता है। नियमों के अनुसार झुग्गी बस्ती के आस-पास के इलाके में ही पुनर्वास किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को 50 किमी दूर नरेला जैसे इलाकों में भेज दिया जाता है, जहां स्कूल, नौकरी और आवागमन के लिए कोई साधन सुविधा नहीं है। ऐसा पिछले कई साल से चल रहा है।

> **बीजेपी चुनाव से पहले झुग्गी वालों से फार्म भरवा के उन्हें पक्के मकान देने का वादा करती है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उन झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस आ जाता है।**
>
> *-आतिशी*

आतिशी ने पिछले दिनों डीपीएस, मथुरा रोड के पीछे झुग्गी हटाए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में झुग्गियां नहीं चाहते हैं। जी20 समिट के समय भी इन झुग्गियों को हरे कपड़े से छुपा दिया गया था। लेकिन जब तक दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार है, तब तक हम झुग्गीवासियों के अधिकार के लिए संसद और सड़क से लेकर कोर्ट तक लड़ाई लड़ेंगे।

सौरभ भारद्वाज ने भी झुग्गियों को हटाने के मामले में पॉलिसी और नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले डेढ़-दो सालों में जिन झुग्गियों को तोड़ा गया, उनमें से अधिकतर केंद्र सरकार की जमीन पर बनी हुई थीं। अब एक बार फिर कड़कती ठंड में लोगों को उजाड़ा जा रहा है। बीजेपी कहती है कि रैन बसेरों में इतनी बड़ी संख्या में बेसहारा लोग क्यों हैं, जबकि सच्चाई यह है कि ये बेसहारा लोग वही हैं, जिन्हें पिछले कुछ सालों में बेघर कर दिया गया था। उन्होंने धौला कुआं, महरौली, तुगलकाबाद में हुई डिमोलिशन की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि कानून के तहत जब तक लोगों का पुनर्वास नहीं होगा, उनको उजाड़ा नहीं जा सकता। लेकिन जी20 के दौरान उप-मुख्यमंत्री की आपत्ति के बावजूद धौला कुआं के पास झुग्गियों को उजाड़ दिया गया।

> **बीजेपी कहती है कि रैन बसेरों में इतनी बड़ी संख्या में बेसहारा लोग क्यों हैं। सच्चाई यह है कि ये बेसहारा लोग वही हैं, जिन्हें पिछले कुछ सालों में बेघर कर दिया गया था।**
>
> *-सौरभ भारद्वाज*

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 13 जनवरी 2024 ED----------

आज से खुलेगा रोशनारा क्लब, पे एंड प्ले का उठा सकते फायदा

29 सितंबर को हो गया था सील, मंडे छोड़कर हर रोज़ खुलेगा क्लब

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

29 सितंबर, 2023 को सील हुआ ऐतिहासिक रोशनारा क्लब लोहड़ी के मौके पर आम लोगों के लिए खुल रहा है। डीडीए के अनुसार, 13 जनवरी सुबह 9 बजे से आम लोग एक निश्चित शुल्क चुका कर इस क्लब में आ सकेंगे। अभी इस क्लब में सिर्फ आउटडोर स्पोर्ट्स की सुविधा जैसे लॉन टेनिस (सिंथेटिक), बास्केटबॉल, क्रिकेट और मिनी फुटबॉल ही उपलब्ध होगी। कलब को पे एंड प्ले के आधार पर खोला जा रहा है। डीडीए के अनुसार, इस क्लब में लोगों को खेलने की बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। क्लब मंडे छोड़कर सुबह 7 से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा।

डीडीए के अनुसार, क्लब की लीज 2012 और 2017 में खत्म हो गई थी। क्लब ने हजारों करोड़ रुपये की जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ था। इसके बाद 17 नवंबर को डीडीए ने क्लब को 2500 करोड़ का नोटिस दिया था। इस नोटिस में डीडीए ने क्लब को सात दिन में जवाब देने को कहा था। नोटिस में कहा गया था कि इस दौरान क्लब के जवाब न देने पर यह मान लिया जाएगा कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है और आगे की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। नोटिस में कहा गया था कि 29 सितंबर को डीडीए ने क्लब को कब्जे में लिया था। लीज खत्म होने के बाद भी रोशनारा क्लब गलत तरीके से यहां चल रहा था। डीडीए ने इस दौरान डैमेज (नुकसान) का आंकलन किया है। इसके मुताबिक यह नुकसान 2485 करोड़ रुपये के करीब का है। डीडीए के अनुसार इस रकम पर क्लब को फाइनल पेमेंट होने तक 7 प्रतिशत की दर से एरियर भी देना होगा। डीडीए के अनुसार 1 मई 2013 से 30 सितंबर 2023 तक का कुल अमाउंट 1588 करोड़ रुपये से अधिक और 1 जनवरी 2018 से 30 सितंबर 2023 तक का अमाउंट 897 करोड़ से अधिक का है।

क्या है फीस

सुविधा	चार्ज	समय
टेनिस (सिंथेटिक कोर्ट)	240 प्रति घंटे	7am-5pm
टेनिस (क्ले कोर्ट)	100 प्रति 40 मिनट	7am-5pm
बास्केटबॉल	100 प्रति एक घंटे	7am-5pm
क्रिकेट (वीक डेज)	11800	9am-4pm
क्रिकेट (वीकेंड)	16500	9am-4pm
मिनी फुटबॉल (वीक डेज)	1560 प्रति घंटे	7am-5pm
मिनी फुटबॉल (वीकेंड)	3120 प्रति घंटे	7am-5pm

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली
शनिवार
13 जनवरी 2024

तैयारी | उपराज्यपाल ने नरेला सब सिटी को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए

नरेला में शिक्षण संस्थाओं को भूमि आवंटित

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। नरेला क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा मिला है। डीडीए ने सात राज्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों को 181 एकड़ भूमि आवंटित की है। हाल ही में दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने नरेला सब सिटी को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए थे।

राजनिवास के मुताबिक, सक्सेना ने पिछले वर्ष अक्तूबर में अधिकारियों के साथ हुई बैठक में निर्देश दिया था कि नरेला में आवास, कोर्ट, पुलिस, अस्पताल, जेल कांप्लेक्स आदि के विकास कार्यों के अलावा सब सिटी को एजुकेशन हब के तौर पर विकसित करने की कोशिश करनी चाहिए। यहां पर विश्वविद्यालय परिसरों के लिए आवश्यक भूमि प्रदान करने के

एलजी के निर्देश पर तेजी से चल रहा इस दिशा में काम

अलावा सब सिटी के बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा देना चाहिए। इसी पर अमल करते हुए यहां पर 181 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। इसके अलावा, इन विश्वविद्यालयों को इनकी मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1082 फ्लैट भी आवंटित किए हैं। डीडीए को भूमि और फ्लैटों के लिए अतिरिक्त राजस्व के तौर पर 1300 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले एक साल से अधिक समय में डीडीए पहले बचे हुए लगभग आठ हजार फ्लैट बेचने में सफल रहा है।

राजनिवास के मुताबिक, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी और इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमेन को जमीन आवंटित की है।

कैंपस को जल्द तैयार करने पर जोर दिया जाएगा

डीडीए के अधिकारियों के अनुसार नरेला सभी शिक्षण स्थानों के कैंपस को दो वर्षों में तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। जिससे जल्द से जल्द नरेला में नए कैंपस का निर्माण शुरू हो जाए और यह समय से बनाकर तैयार हो जाए। इससे पहले नरेला में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पुलिस प्रशिक्षण केंद्र व अन्य के स्थापित करने के लिए पत्र लिख चुके हैं। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को भी नए अस्पताल निर्माण के लिए पत्र लिख चुके हैं। साथ ही, विशेषज्ञों के अनुसार नरेला में बनने वाले शिक्षण संस्थानों के नए कैंपस के निर्माण के बाद वहां पर पढ़ाए जाने वाले कई कोर्स में बढ़ोतरी होगी। इसमें जीजीएसआईपीयू में बीबीए, मास कम्युनिकेशन, बीआर्क जैसे कोर्सों की सीटें बढ़ेंगी। साथ ही डीटीयू और आईजीडीटीयूडब्ल्यू की कई इंजीनियरिंग कोर्सों की सीटों में भी बढ़ोतरी होगी।

रोशनारा क्लब में आज से खेलों की सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली के रोशनआरा क्लब में आउटडोर खेलों की सुविधा शनिवार से शुरू होने जा रही है। इसमें टेनिस, बास्केटबल क्रिकेट, मिनी फुटबाल जैसे खेलों की सुविधा लोगों को मिलेंगी। सभी खेलों की सुविधा सुबह 7 से शाम 5 बजे के दौरान मिलेगी।

इसमें क्रिकेट की सुविधा सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे सभी दिन मिलेगी। टेनिस के दो कोर्ट हैं। इसमें सिंथेटिक कोर्ट के लिए 240 रुपये (1 घंटे के लिए), क्ले कोर्ट के लिए 100 रुपये (40 मिनट के लिए), क्रिकेट के लिए वीक डे पर 11,800 रुपये (इसमें कोई समय अवधि नहीं है) और सप्ताहंत पर 16,500 रुपये (इसमें कोई समय अवधि नहीं है), मिनी फुटबॉल में वीक डे पर 1560 (1 घंटे के लिए) और

■ सुबह 7 से शाम 5 बजे के बीच लोग विभिन्न खेलों से मनोरंजन कर सकेंगे

सप्ताहंत पर 3120 रुपये (1 घंटे के लिए) के देने होंगे। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सितंबर माह के अंत में इसे लीज मामले को लेकर को सील कर दिया था। अब इसे आउटडोर खेलों के लिए शुरू किया जा रहा है।

ये है योजना : रोशनारा क्लब को कब्जे में लेने के बाद अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इसके पुनर्विकास की योजना बनाई है। डीडीए के अधिकारियों के अनुसार, इसके मद्देनजर डीडीए, क्लब की ऐतिहासिक गौरव को बहाल करने के लिए कई नियमों को निर्धारित कर रहा है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- E TIMES OF INDIA, NEW DELHI SATURDAY, JANUARY 13, 2024 ----DATED----------

DDA allots 181-acre land to turn Narela into edu hub

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: To develop Narela sub-city as an education hub, the Delhi Development Authority (DDA) has allotted 181 acres of land to seven government universities and institutions to set up their campuses.

The office of lieutenant governor VK Saxena said DDA had separately allotted 1,082 flats to these universities to provide staff accommodation and hostels. An official mentioned that DDA would receive around Rs 1,300 crore for the land and additional revenue for the flats.

Spread over 98.7 square kilometre, Narela, once developed, would be the largest sub-city in the capital. In recent meetings with DDA and other stakeholder departments, the LG had emphasised giving a significant push to projects in the sub-city and developing it on the lines of Dwarka by improving connectivity and civic infrastructure.

File photo

In just over one year, DDA has managed to sell about 8,000 flats from its unsold inventory in Narela

In just over one year, DDA has managed to sell about 8,000 flats from its unsold inventory in the sub-city. "In a meeting with officials in October last year, the LG directed that, apart from the ongoing developments, DDA should strive to develop Narela sub-city into an educational hub. The LG believed that, besides providing land to universities to set up new campuses in the city, the move would also boost infrastructural development in the area," said an official.

Following a series of meetings thereafter, DDA, in record time, issued land allotment letters to the universities. While Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University has received 16.7 acres, Guru Gobind Singh Indraprastha University has been allotted 22.4 acres, Delhi Skill and Entrepreneurship University 10 acres, Indraprastha Institute of Information Technology 20 acres, Delhi Technological University 47.5 acres, Delhi Teachers University 12.7 acres, and Indira Gandhi Delhi Technology University for Women 50 acres, said an official.

He added that the LG had issued specific instructions to the authority to allot the land parcels to educational institutions in a cluster closer to the DDA housing inventory to ensure that ready-made residential and hostel facilities are available in close proximity.

AAP & BJP spar over 'demolition' of slums

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Aam Aadmi Party has alleged that Bharatiya Janata Party-led Centre wants to demolish all slums in Delhi. Addressing a press conference on Friday, Delhi cabinet ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj said slums in the national capital were being demolished "in an inhuman manner, without rehabilitating the affected slum dwellers".

Atishi alleged that at a meeting on January 9, the Centre directed land-owning agencies, such as DDA and MCD, to clear all slum clusters.

Atishi said that whenever elections are held in Delhi, BJP makes a promise to slum dwellers that it will build houses for them.

Echoing similar views, Bharadwaj alleged that the Centre was demolishing jhuggi jhopri (JJ) colonies under a conspiracy. He said that it was the duty of the land-owning agencies to rehabilitate the slum dwellers. The minister further alleged that some notified JJ clusters were removed despite court orders. Hundreds of school-going children and women involved in odd jobs have become homeless due to these demolitions, he added.

The AAP leader said before the G20 summit, a JJ colony at Dhaula Kuan was demolished despite the deputy chief minister's orders to the contrary.

Reacting to the allegations, Delhi BJP chief Virendra Sachdeva accused the AAP government of not allowing the implementation of Pradhan Mantri Awas Yojana in the national capital and not allotting around 50,000 Rajiv Awas houses to the urban poor, denying them an opportunity for a better life.

Sachdeva claimed that for the sake of political survival, AAP was raising such issues.

"DDA, on the instructions of the Centre, has implemented 'Jahan Jhuggi Wahan Makan' projects at three places in Delhi, but the city government has not implemented the scheme at a jhuggi cluster on one of its land," he added.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण
नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2024

NAME OF NEWSPAPERS--DATED

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, शनिवार, 13 जनवरी 2024

सात संस्थानों को नरेला में भूमि आवंटित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: नरेला को एजुकेशन हब के रूप में विकसित के प्रयासों के फलस्वरूप दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने सात विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों व संस्थानों को परिसरों के विकास के लिए 181 एकड़ भूमि आवंटित की है। इन विश्वविद्यालयों को मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं। इस कदम से क्षेत्र में विकास कार्य होने के अलावा डीडीए को भूमि और फ्लैटों के लिए अतिरिक्त राजस्व के तौर पर लगभग 1300 करोड़ रुपये मिलेंगे। गौरतलब है कि करीब एक साल में बिक्री से बचे 8000 फ्लैट्स डीडीए बेचने में सफल रहा है।

वीके सक्सेना

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पिछले वर्ष अक्टूबर में अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें निर्देश दिया था कि नरेला उपनगरी में आवास, कोर्ट, पुलिस, अस्पताल, जेल काम्प्लेक्स आदि विकास कार्यों के अलावा उसे एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने के प्रयास होने चाहिए। इससे शहर में विश्वविद्यालय परिसरों के लिए आवश्यक भूमि देने के साथ ही नरेला उप नगरी के बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस मुद्दे पर विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ कई बैठके हुईं। जहां उन्होंने अपनी मांगे रखीं, जो काफी समय से लंबित चल रही थीं। डीडीए ने इन सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों को रिकार्ड समय में भूमि आवंटन पत्र जारी किए। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों व संस्थानों को आवंटित भूमि उनके मौजूदा परिसरों के अतिरिक्त होगी और वे अपना विस्तार कर सकेंगे।

विश्वविद्यालयों-संस्थानों को आवंटित की गई भूमि

दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी	16.73 एकड़
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआइपीयू)	22.43 एकड़
दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू)	10 एकड़
इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आइआइआइटी-डी)	20 एकड़

अब तक सीमित परिसरों में चल रहे थे ये विश्वविद्यालय

डीपीएसआरयू	महरौली बदरपुर रोड, पुष्प विहार
जीजीएसआइपीयू	सेक्टर-16C, द्वारका
डीएसईयू	सेक्टर-9, द्वारका
आइआइआइटी-डी	ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज तीन
डीटीयू	शाहबाद दौलतपुर, मेन बवाना रोड
डीईटीयू	पी-625 और 745, आउट्रम लेन, नई दिल्ली
आइजीडीटीयूडब्ल्यू	मदरसा रोड, कश्मीरी गेट

दिल्ली में झुग्गियां खत्म करने की साजिश : आप

सियासत

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली में झुग्गियों को खत्म करना चाहती है। बीते एक साल से सिलसिलेवार तरीके से झुग्गीवासियों का बिना पुनर्वास किए झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं।

आप नेता व दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि दो दिन पहले केंद्र सरकार में दिल्ली की सभी भूस्वामित्व वाले विभाग डीडीए, रेलवे, भू एवं विकास विभाग और एमसीडी अधिकारियों के साथ बैठक करके उन्हें झुग्गियों को खत्म करने का निर्देश दिया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की झुग्गियों में कोर्ट की रोक के बाद भी तोड़फोड़ की जा रही है।

पार्टी कार्यालय में पत्रकारवार्ता में आतिशी ने कहा कि दिल्ली में जब भी चुनाव आता है तभी भाजपा को झुग्गी याद आती हैं। विधानसभा चुनाव हो या एमसीडी भाजपा चुनाव से पहले एक वादा करती है कि जहां झुग्गी है वहीं मकान देंगे। इसका प्रचार के साथ झुग्गियों में जाकर फार्म भी भरवाया जाता है, मगर जैसे ही चुनाव खत्म होता है तो झुग्गियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी जाती है। चुनाव के बाद भाजपा कहती है कि हमें झुग्गीवाले पसंद नहीं है हम झुग्गी तोड़ डालेंगे। उन्हें बेघर कर देंगे या फिर उन्हें 50 किलोमीटर दूर नरेला में भेज देंगे।

आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा शासित केंद्र सरकार दिल्ली से पूरी तरह झुग्गियों को खत्म करने की साजिश रच रही है। इसे लेकर 9 जनवरी को एक बैठक भी हुई है। उसमें भू स्वामित्व वाली सभी विभागों को सख्त आदेश दिए गए हैं किसी भी जमीन पर झुग्गी नहीं रहेगी।

कई योजनाएं लागू नहीं होने दी : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहना है कि आम आदमी पार्टी राजनीतिक रूप से निराश पार्टी है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू करने की अनुमति नहीं दी है और न ही झुग्गी-झोपड़ियों या शहरी गरीबों को पहले से निर्मित करीब 50 हजार राजीव आवास योजना मकान आवंटित किए हैं, जिससे जरूरतमंद बेहतर जीवन के अवसर से वंचित रह गए हैं। केंद्र सरकार के निर्देश पर डीडीए ने दिल्ली में तीन जगहों पर जहां झुग्गी वहीं मकान परियोजना लागू की है, लेकिन दिल्ली सरकार ने अपनी एक भी जमीन पर झुग्गीवालों के क्लस्टर में इस योजना को लागू नहीं किया है।

आज से शुरू होंगी आउटडोर खेल सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : डीडीए ने रोशनआरा क्लब के लान टेनिस (सिंथेटिक), बास्केटबाल, क्रिकेट और मिनी फुटबाल (फुटसल) मैदान आदि जैसी आउटडोर खेल सुविधाओं को आम जनता के लिए 13 जनवरी से खोलने का निर्णय लिया है। नाममात्र के शुल्क पर सुबह 9 बजे से इसकी शुरुआत हो जाएगी। डीडीए के रोशनआरा क्लब शीर्ष स्तर का खेल अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि फिटनेस के प्रति उत्साही लोग अपनी पसंदीदा आउटडोर गतिविधियों में शामिल हो सकें। डीडीए ने सभी से अनुरोध किया है कि वे आएं और रोशनआरा क्लब के स्वास्थ्यप्रद माहौल का बेहतरीन अनुभव लें। डीडीए का रोशनारा क्लब सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह सात से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा।

सात संस्थानों को नरेला में भूमि आवंटित

नई दिल्ली : नरेला को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने के प्रयासों के बीच डीडीए ने सात विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों व संस्थानों को परिसरों के विकास के लिए 181 एकड़ भूमि आवंटित की है। इन विश्वविद्यालयों को मांग के अनुरूप क्षेत्र में पहले से निर्मित 1,082 फ्लैट भी आवंटित किए गए हैं।

• पेज 10

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

II दैनिक जागरण नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2024 जागरण सिटी दिल्ली/आसपास www.jagran.com

आसमान में छाई पतंगें... मकर संक्रांति के अवसर पर सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क में शनिवार को दो दिवसीय पतंग उत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अनूठे उत्सव में सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान, लक्षद्वीप समेत अन्य राज्यों के करीब 30 प्रोफेशनल पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। यहां पतंगबाजों ने विभिन्न प्रकार की पतंगों का प्रदर्शन कर अपना हुनर दिखाया। इस पतंग उत्सव में पहुंचे युवक और युवतियों ने कलाकारों के साथ नृत्य भी किया। बच्चों और युवाओं ने बांसेरा पार्क में जमकर पतंग उड़ाई। उद्घाटन के दौरान अनूठी काइट्स परेड भी निकाली गई। • विपिन शर्मा

मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव का आयोजन भगवान श्रीराम को समर्पित : एलजी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव के आयोजन को भगवान राम के प्रति समर्पण बताया है। उन्होंने कहा कि पतंग उत्सव मनाना हमारे प्रमुख देवताओं में से एक भगवान श्रीराम को समर्पित है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे बचपन में अपने भाइयों के साथ पतंग उड़ाते थे। एलजी ने एक धर्मग्रंथ से दोहे का भी उल्लेख किया।

एलजी शनिवार सुबह यमुना के तट पर सराय काले खां में स्थित स्थिरता-थीम वाले बांस पार्क बांसेरा में दो दिवसीय पतंग उत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ पत्नी संगीता सक्सेना, केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद गौतम गंभीर, डा. हर्षवर्धन, रमेश बिधूड़ी, मुख्य सचिव नरेश कुमार एवं डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा सहित कई अन्य देशों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। डीडीए की ओर से आयोजित इस महोत्सव में एक थीम मंडप प्रमुख आकर्षण है, जो पतंग गैलरी के रूप में पतंगों का इतिहास प्रदर्शित करता है। इसमें युद्ध के समय पतंगों के उपयोग, लड़ाकू पतंगों, भारत में पतंगों की संख्या और उनके महत्व को दर्शाया गया है। इस उत्सव में राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात से 30 प्रोफेशनल पतंगबाज भी हिस्सा ले रहे हैं। गुजरात की तर्ज पर दिल्ली में पहली बार आयोजित पतंग उत्सव का उद्घाटन मकर संक्रांति त्योहार से एक दिन पहले लोहड़ी पर किया गया। उदघाटन के दौरान अनूठी काइट्स परेड भी निकाली गई। सक्सेना ने आगे कहा कि हम आज एक ऐसे स्थान पर अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव मना रहे हैं, जिसे पुनर्जीवित किया गया है। यह दिल्ली के निर्माण और विध्वंस कचरे का डलावघर हुआ करता था। अब आप जो देख रहे हैं, वह बांस का एक सुंदर निवास स्थान है।

सराय काले खां स्थित बांसेरा में आयोजित उत्तरायणी रंगों का उत्सव में पतंग उड़ाती केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी व साथ में एलजी वीके सक्सेना व उनकी पत्नी संगीता सक्सेना व सासद गौतम गंभीर • विपिन शर्मा

उन्होंने कहा कि इस बांस पार्क, बांसेरा का उद्देश्य एक ओर दिल्ली के लोगों के लिए राजधानी में नए सार्वजनिक स्थल प्रदान करना है। वहीं, बाढ़ के मैदानों की समृद्ध जैव विविधता का संरक्षण सुनिश्चित करना है। सक्सेना ने कहा कि लोगों के लिए यहां एक क्लासिक पतंग बाजार भी लगाया गया है, जहां वे पतंग खरीद सकते हैं, उड़ा सकते हैं, आसमान को रंगों के डोर के साथ गले लगा सकते हैं।

- **बांस से बने बांसेरा पार्क में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का शुभारंभ किया गया**
- **गुजरात की तर्ज पर पहली बार पतंग उत्सव का आयोजन किया गया, उत्साहित दिखे दिल्लीवासी**

उन्होंने बताया कि हमारी विविधता को प्रदर्शित करने के लिए लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ-साथ जनता के लिए पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प स्टाल भी लगाए गए हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि भविष्य में लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए ऐसे कई कार्यक्रमों की योजना बनाई जाएगी। वैसे शनिवार को पहले ही दिन इस पतंग उत्सव में राजधानी वासियों का उत्साह भी देखते ही बना। काफी लोग बच्चों एवं परिवार के साथ वहां पहुंचे। एलजी ने डीडीए के 2024 के कैलेंडर का अनावरण किया। इसमें दिल्ली के विभिन्न स्मारकों और सार्वजनिक स्थानों की तस्वीरें हैं। इसके अलावा एलजी ने करीब 100 लोगों की क्षमता वाले कैफेटेरिया का भी उदघाटन किया।

सराहनीय पहल » संपादकीय
संबंधित सामग्री » जागरण सिटी

सराहनीय पहल

सराय काले खां में यमुना तट पर बने बांसेरा पार्क में पहली बार दो दिवसीय पतंग उत्सव की शुरुआत हुई। इसमें कई राज्यों के लोग शामिल हो रहे हैं। यह सराहनीय पहल है। इस तरह के आयोजनों को बढ़ावा मिलना चाहिए, जिससे कि दिल्ली के पर्यटन क्षेत्र को लाभ मिले। बांसेरा पार्क जहां पर बना है, वहां कभी मलबा डाला जाता था। इस तरह के अन्य पार्क भी विकसित किए गए हैं, लेकिन अभी भी कुछ स्थानों पर मलबा व कूड़ा फेंका जा रहा है। बिना शोधित गंदा पानी यमुना नदी में बहाया जा रहा है। इसके समाधान के लिए दावे बहुत किए जाते हैं। राजनीति भी होती है, लेकिन स्थिति नहीं सुधरती है।

बांसेरा पार्क की तरह ही दिल्ली के अन्य पार्कों को भी विकसित किया जाना चाहिए, इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं हैं

पिछले करीब एक माह से अमोनिया की मात्रा बढ़ने से दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी आपूर्ति की समस्या हो रही है। इस स्थिति के लिए कहीं न कहीं संबंधित विभाग व अधिकारी जिम्मेदार हैं, क्योंकि अधिकांश सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) मानक के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। कई नए एसटीपी का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। यमुना किनारे अतिक्रमण से भी इसे साफ करने में समस्या हो रही है। दिल्ली की सफाई व्यवस्था सुधारने पर भी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हाल ही में जारी स्वच्छता सर्वेक्षण की रिपोर्ट इसका उदाहरण है। दिल्ली का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे बड़े आयोजन में तो हम राजधानी के कुछ क्षेत्र को साफ कर देते हैं, लेकिन बाद में उसे बनाए रखने के लिए ठोस प्रयास नहीं होता है। जरूरी है कि यमुना, यमुना तट व दिल्ली को स्वच्छ रखते हुए पतंग उत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित होते रहें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS- WWW.INDIANEXPRESS.COM
THE SUNDAY EXPRESS, JANUARY 14, 2024

'Ghar Bachao, BJP Hatao': AAP to launch week-long campaign today

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JANUARY 13

ALLEGING THAT directions have been received from the BJP-led Centre to demolish slum clusters in Delhi, the AAP has announced plans to launch a campaign called "Ghar Bachao, BJP Hatao".

AAP Delhi unit convenor, Gopal Rai, disclosed the decision after a meeting of AAP MLAs, stating that the campaign would kick off on Sunday in Delhi, with a protest scheduled outside the BJP headquarters on January 21.

As part of the "Ghar Bachao, BJP Hatao" initiative, AAP leaders intend to conduct public meetings in slum clusters to raise awareness against the BJP's purported plan to demolish these settlements.

"Our MLAs and councillors will create awareness through *nukkad sabhas* in various slum colonies across Delhi against the BJP and Centre's drive. Our campaign will end with a demonstration at 12 pm outside the BJP headquarters on January 21. Tomorrow, January 14, we will hold *nukkad sabhas* at BR Camp and DIP Camp under the New Delhi assembly constituency," he said.

AAP Delhi unit convenor Gopal Rai; (right) Delhi BJP General Secretary Harsh Malhotra

In response, Delhi BJP General Secretary Harsh Malhotra accused the AAP government of attempting to divert attention from corruption allegations by misleading slum dwellers.

Malhotra claimed that despite having houses available, the Arvind Kejriwal government has not allocated homes to the poor during its nine years in power. "Instead of misleading the slum dwellers, it would be better if the Kejriwal government allocates thousands of Rajiv Awas Yojana houses built in Delhi to the poor," he said.

Rai went on to cite the demolitions in Mehrauli and Dhaula Kuan last year and said, "Once again, through the misuse of its agencies, they are bent upon this machination in this biting cold."

"Sometime back, the Railways had issued a notice for demolition of shanties in Sarojini Nagar which was stayed by the Chief Minister through court... under the New Delhi assembly constituency, DDA pasted notices at BR Camp and DIP Camp, a survey is on and in a few days, a drive to render them homeless will start," Rai alleged.

"While on the one hand, the BJP says 'jahan jhuggi, wahan makaan, (a house in place of a shanty)', on the other hand, it makes them homeless without making alternate arrangements," Rai said.

On Rai's announcement of the week-long protest, Malhotra said, "He should note that today, people of all sections of Delhi are fed up with the corruption of the Kejriwal government and will no longer fall prey to any of his tricks."

Hindustan Times NEW DELHI SUNDAY JANUARY 14, 2024

AAP calls Centre 'anti-poor', launches drive; BJP hits back

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Aam Aadmi Party (AAP) leader Gopal Rai on Saturday claimed that the BJP-led Centre has directed the land-owning agencies to demolish the Capital's slum clusters, and announced that his party will oppose the move. AAP will launch a week-long campaign, "Ghar Bachao, BJP Hatao", from January 14 to to January 21 to oppose the proposed demolition drive, the party's Delhi convener and cabinet minister Gopal Rai said at a press conference at the AAP headquarters on Saturday.

Earlier on Friday, AAP ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj also claimed that at a recent meeting in the Prime Minister's office, all the land-owning agencies, including Municipal Corporation of Delhi and Railways, were directed to remove the slums in the city.

"The BJP-ruled central government has issued directions to its various agencies to intensify the drive to make people living in JJ (jhuggi jhopri) clusters homeless. I have learnt that under the New Delhi assembly constituency, the Delhi Development Authority has pasted notices at the BR Camp and DIP Camp, and a survey is on. In a few days, a drive will start to render them homeless," Rai added.

HT reached out to DDA, but did not get a response on request for comment.

"Our MLAs and councillors will create awareness through 'nukkad sabhas' in various slum colonies across Delhi against the BJP and Centre's drive. Our campaign will end with a demonstration around noon outside the BJP headquarters on January 21. On January 14, we will hold 'nukkad sabhas' at BR Camp and DIP Camp," said Rai.

Delhi BJP general secretary Harsh Malhotra said instead of misleading slum dwellers, it would be better if the Kejriwal government allocates thousands of Rajiv Awas Yojana houses, which have been already made ready, in Delhi to the poor.

"The Kejriwal government, which is mired in corruption allegations, is trying to divert the attention of media and public by misleading slum dwellers. Delhi BJP will soon expose the negligence of the Kejriwal government in providing housing to the poor," he said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 14, 2024

By the Yamuna, kites of various hues and crafts bring sky alive

Siddhivi.Singh@timesgroup.com

New Delhi: Over the fields at Baansera — the city's first bamboo-themed park — the skies came alive on Saturday when colours streaked across the foggy skies over the Yamuna. To celebrate Makar Sankranti two days ahead, lieutenant governor VK Saxena inaugurated an international kite festival there on Saturday. The Patang Utsav will have more than 30 professional kite fliers from various states vying with each other over the weekend.

This two-day festival not only aims at uniting Delhi's people in the joy of this timeless tradition, but also showcases kite artistry. No longer restricted to delicate paper or sharp manjhas, today's kites are crafted from flexible materials and take a myriad forms.

From Delta kites that glide seamlessly to the dual lined stunt-and-sled kites, there were kites of all sorts and sizes and colour, from train to eagles, dotting the sky over Baansera on Saturday. Adding to the allure were themed pavilions narrating the history of kites alongside a handicraft bazaar. The kite bazaars catered to flying enthusiasts, offering innovative kites ranging from Rs 50 to Rs 1,000.

Photos: Tarun Rawat

The Patang Utsav will have more than 30 professional kite fliers from various states vying with each other over the weekend

Developed in just six months by Delhi Development Authority as part of the rejuvenation of the Yamuna's floodplains and to have the public appreciating the river ecology, Baansera appeared the perfect place for the Patang Utsav. "The park aims to provide Delhi's people the much needed open space and promote biodiversity at the same time," said Saxena. "I assure you that many such events will be planned in the future for the pleasure of people living in Delhi."

Among the participants, Junaid Hussain, a 28-year-old professional kite designer, flew a majestic 125-metre snake kite. Crafted by connecting around 200 kites in a meticulous pattern, it took him a month to bring this awe-inspiring creation to life.

Pawan Sharma, a 50-year-old teacher and kite enthusiast, brought 28 kites to the event, including some with LED lights. He shared, "Flying kites has always been a soothing escape for me; it feels like my worries ascend into the sky with my kite." Sharma, who has kites worth Rs 3.5 lakh, keeps a keen eye out for new and inventive additions to his collection.

The blue sky with a palette of innumerable colours was pure nostalgia for all the adults at the venue and a spectacle of curiosity to all the kids hanging around with their parents. Devesh Meena, a 20-year-old DU student from Dausa, Rajasthan, was skillfully keeping his kite afloat even in low wind. He smiled, "For me, kite flying is a festive celebration. I also decided to rope in my friends to keep this festival fervour alive."

LG SAYS

The park aims to provide Delhi's people the much-needed open space and promote biodiversity at the same time. I assure you that many such events will be planned in the future for the pleasure of Delhiites

Rajeev Gupta, a 40-year-old resident of East Delhi, arrived with his family of four, expressing a desire to preserve the tradition of kite flying and reconnect with nature while indulging in a cherished hobby.

Varun Chadha, a 42-year-old member of the Indian kite team from Punjab, learned the craft from his mother and showcased a 2D kite with an image of Ram and Sita. He usually makes kites with traditional and national themes. Chadha sees kites as symbols of life's ebb and flow. He reflected, "There are ups and downs, sometimes you have to pull yourself through and sometimes just go with the flow. Flying kites lets me reflect better." He also lamented the increasing disconnect of people from nature, noting how kite-flying affords a unique get-together on a sunny field for health benefits, vitamin D and socialising.

Subhasish Panda, vice-chairman of DDA, while talking to **TOI**, highlighted how the park came a long way from being a wasteland to a scenic beauty to charm the Delhiites. "Any green project DDA undertakes is incomplete without the main stakeholder, which is the public. Through events like these, we wish to encourage people to visit open spaces and acknowledge the biodiversity while sharing an open space. The Patang Utsav is a great start as we look forward to more such activities," he said.

AAP says BJP trying to demolish slums, oppn says central project being blocked

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Alleging that BJP-led central government had launched a drive to demolish jhuggi clusters in the capital, environment minister and AAP state convener Gopal Rai on Saturday said his party will launch a 'Ghar Bachao, BJP Hatao' campaign.

Rai said the decision to launch the campaign from New Delhi was taken in a meeting of all MLAs and senior functionaries of the party, chaired by chief minister Arvind Kejriwal on Saturday morning.

The AAP will also stage a demonstration outside BJP headquarters on DDU Marg on January 21, said Rai, adding that the party leaders will hold public meetings in slum clusters to create awareness against the BJP's plan to demolish slums.

"The BJP seems bent on turning people homeless in this biting cold. Before elections, the BJP promises to provide homes to slum dwellers and after the polls are over, it starts demolishing their accommodation," Rai said in a press conference, adding that BJP-led central government had directed various land owning agencies under its jurisdiction to remove slum clusters in Delhi.

BJP blamed Delhi government for blocking the implementation of Pradhan Mantri Awas Yojana in Delhi and alleged that the AAP leaders were raising issues for which their own party was responsible.

Claiming that the railway had issued notice for demolition of shanties in Sarojini Nagar against which chief minister Arvind Kejriwal got a stay from court, Rai said that the DDA had now pasted notices at the BR Camp and DIP Camp in New Delhi assembly constituency and a survey was going on for a few days after which a drive to render people homeless will start.

"While on one hand, the BJP says "Jahan jhuggi, wahan makan' (a house in place of a shanty), on the other it makes people homeless without making an alternate arrangement for them. This has been going on despite the courts asking the government for a rehabilitation plan for slum-dwellers before evicting them," alleged Rai, adding that demolitions were being carried out without paying any attention to rehabilitation of the affected people.

Delhi BJP president Virendra Sachdeva alleged that Kejriwal government had blocked the implementation of Pradhan Mantri Awas Yojana and failed to allot around 50,000 housing units constructed for slum dwellers. "The DDA, on the instruction of the Centre, has implemented 'jahan jhuggi wahan makan' projects at three locations but Delhi government failed to implement the scheme," said Sachdeva.

"Instead of misleading the slum dwellers, it would be better if the Kejriwal government started allotting thousands of Rajiv Awas Yojana houses built for the poor but were lying vacant," said Delhi BJP general secretary Harsh Malhotra.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- | संडे नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | 14 जनवरी 2024 ----------

जमकर हुई पतंगबाज़ी, लोक कला का भी लुत्फ

बांसेरा में पतंग उत्सव का एलजी ने किया उद्घाटन

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल और बीहू जैसे पर्वों के मौके पर दिल्ली के पहले बांस के थीम पार्क में आयोजित पतंग उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। सर्द मौसम के बावजूद यहां बच्चे, महिलाओं और युवाओं की संख्या काफी अधिक रही।

दो दिनों के इस पतंग उत्सव का उद्घाटन एलजी वी.के. सक्सेना ने किया। यमुना किनारे सराय काले खां में बांसेरा में यह पतंग उत्सव 13 और 14 जनवरी को आयोजित हो रहा है। इस उत्सव में कई विदेशी डिप्लोमेट्स और प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। एलजी के साथ इन लोगों ने यहां पतंगबाजी भी की। मुख्य आकर्षण यहां विभिन्न राज्यों से आए 30 से अधिक प्रोफेशनल पतंगबाज रहे। इन्होंने अपनी पतंग उड़ाने की कला से दर्शकों को हैरान कर दिया। यहां पर बना थीम पविलियन भी लोगों को काफी पसंद आया। इस पविलियन में लोगों को पतंगों के इतिहास के बारे में जानने को मिला। साथ ही यहां क्लासिक पतंगों का एक बाजार भी लगा था। लोक कलाकारों ने भी यहां जमकर अपनी कला दिखाई और लोगों की खूब तालियां बटोरीं। बच्चों के लिए भी यहां कई तरह की गतिविधियों का आयोजन भी किया गया है।

उत्सव में कई विदेशी डिप्लोमेट्स और प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया

पतंग उत्सव में एलजी के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, एमपी हर्षवर्धन, रमेश बिधूड़ी और गौतम गंभीर मौजूद रहे।

इस पतंग उत्सव में एलजी के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, एमपी हर्षवर्धन, रमेश बिधूड़ी और गौतम गंभीर मौजूद रहे। इसके अलावा विधायक ओपी शर्मा, चीफ सैकेटरी नरेश कुमार और पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा भी यहां पहुंचे। यहां विदेशी राजदूतों के अलावा यहां सेशेल्स, मंगोलिया, माली, बुरुंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, लीबिया और पेरू के डिप्लोमेट्स ने भी हिस्सा लिया।

राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात से पहुंचे पतंगबाजों ने कई आकार, साइज, रंगों आदि की पतंगे उड़ाईं। पतंग की ट्रेन, ईगल आदि भी बनाई गई। एलजी वी.के. सक्सेसा ने डीडीए को इतने शानदार आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने लोगों से अपील की कि रविवार को बड़ी संख्या में यहां पहुंचे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS------ । संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 14 जनवरी 202

कच्ची कॉलोनियों में तोड़फोड़ के खिलाफ प्रदर्शन करेगी AAP

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

- केंद्र के खिलाफ 'घर बचाओ, बीजेपी हटाओ' अभियान होगा शुरू
- हफ्तेभर चलेगा अभियान, आज नई दिल्ली विधानसभा के बीआर कैंप और डीआईपी कैंप से होगी शुरुआत

सर्दियों के बीच अनधिकृत कॉलोनियों में जगह-जगह हो रही तोड़फोड़ के खिलाफ आम आदमी पार्टी आज से हफ्तेभर का प्रदर्शन शुरू करेगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी ने शनिवार को सीएम आवास में विधायकों के साथ एक बैठक में फैसला लिया है कि दिल्ली में 'घर बचाओ, बीजेपी हटाओ' अभियान शुरू होगा। विधायक और पार्षद अलग-अलग विधानसभा के ऐसे इलाकों में नुक्कड़ सभाएं करेंगे और प्रदर्शन करेंगे, जहां तोड़फोड़ हो रही है या इसकी तैयारी चल रही है। 21 जनवरी को आप विधायक और पार्षद बीजेपी मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। इस अभियान की शुरुआत नई दिल्ली विधानसभा के बीआर कैंप और डीआईपी कैंपस से होगी।

शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी की केंद्र सरकार दिल्ली में लोगों को बेघर करने पर जुटी हुई है। सभी एजेंसियों को, खासतौर पर केंद्र सरकार की एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि दिल्ली के अंदर अलग-अलग क्लस्टर, अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में जो लोग रह रहे हैं, उन्हें इस ठिठुरती ठंड में बेघर किया जाए। पिछले दिनों में इस तरह की घटनाएं धौलाकुआं, महरौली में हुई हैं। कुछ दिन पहले सरोजिनी नगर में रेलवे ने झुग्गी तोड़ने का आदेश दिया, जिसे कोर्ट में जाकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रुकवाया। अभी पता चला है कि पूरी दिल्ली के अंदर गरीब लोगों को बेघर करने का यह अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के अंदर बीआर कैंप और डीआईडी कैंप में डीडीए का नोटिस चस्पा किया जा चुका है। सर्वे चल रहा है, कुछ ही दिनों में उन्हें भी बेघर करने का अभियान शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा, चुनाव से पहले बीजेपी एक तरफ कहती है कि जहां झुग्गी वहीं मकान देंगे और दूसरी तरफ बिना पुनर्वास के वो लोगों को बेघर कर रही है, जिस पर बार-बार कोर्ट भी सवाल उठा रहा है।

कॉलोनी के अंदर कूड़े का 'मिनी पहाड़'

फरीदपुरी में खाली प्लॉट एक दशक से बना परेशानी का सबब

Sudama.Yadav@timesgroup.com

बारिश में कूड़ा गीला होने के बाद कई बार यह सड़क पर आकर गिर जाता है

टू वीलर्स और पैदल गुजरने वालों को हादसे का रहता है डर

■ नई दिल्ली : आपने गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के कूड़े के पहाड़ जरूर देखे होंगे, लेकिन क्या किसी कॉलोनी के अंदर कूड़े का पहाड़ देखा है? कूड़े का यह मिनी पहाड़ कई रेजिडेंशल इलाकों के बीच फरीदपुरी में पिछले एक दशक से है। मॉनसून के दौरान कूड़ा गीला होने पर इससे इतनी तेज बदबू आती है कि लोगों का यहां से गुजर भी मुश्किल हो जाता है। बारिश के दौरान कई बार गीला कूड़ा सड़क पर आ जाता है। इस वजह से टू वीलर्स और पैदल गुजरने वालों के स्लिप होने का खतरा रहता है।

कई कॉलोनियों का कूड़ा यहीं आता है: बलजीत नगर के रहने वाले नरेश कुमार के अनुसार कभी यह डीडीए का खाली प्लॉट हुआ करता था। जिस पर लोगों ने धीरे-धीरे कब्जा कर मकान बना लिए। पिछले एक दशक से लोग यहां कूड़ा भी डाल रहे हैं। गायत्री कॉलोनी, गुलशन चौक, पंजाबी बस्ती, बलजीत नगर कॉलोनी के लोग यहीं कूड़ा डालते है। कूड़े को एमसीडी उठाती भी नहीं है। ऐसे में धीरे-धीरे यहां कूड़े का ढेर लग गया और पिछले 9-10 सालों में यहां कूड़े का एक मिनी पहाड़ सा बन गया है। सैकड़ों टन कूड़ा यहां पड़ा है। कूड़े की दीवार के साथ ही दो वॉर्ड हैं। एक वॉर्ड नंबर-85 और दूसरा वॉर्ड नंबर-86 है।

बारिश में बढ़ जाती है दिक्कत: बलजीत नगर में ही रहने वाले सुधांशु और सतीश शर्मा का कहना है कि मॉनसून के दौरान इस कूड़े के पहाड़ के चलते लोगों की जान पर बनी रहती है। जिस जगह यह कूड़े का पहाड़ है, वह रास्ता आनंद पर्वत की ओर जाता है। इसलिए यह रोड काफी व्यस्त रहती है। मॉनसून के दौरान जब बारिश होती है, तो कूड़ा गीला हो जाता है और कई बार सड़क पर आकर गिर जाता है। मॉनसून में यहां से गुजरने वाले मोटर साइकिल सवारों को हमेशा ही जान का जोखिम बना रहता है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन, किसी ने आजतक कोई कार्रवाई नहीं की।

झुग्गीवालों को गुमराह कर रही सरकार : BJP

■ प्रस, नई दिल्ली : शनिवार को दिल्ली बीजेपी प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार झुग्गियों में रहने वाले लोगों को गुमराह कर रही है। आप नेता यह कह रहे हैं कि केंद्र सरकार ने उन्हें आवास उपलब्ध नहीं कराया और इसके खिलाफ अभियान चलाएंगे। जबकि राजीव आवास योजना के तहत दिल्ली सरकार ने सालों पहले 50 हजार फ्लैट्स बनाए, लेकिन आज तक झुग्गीवासियों को आवंटित नहीं किया। नए बने फ्लैट्स खाली पड़े-पड़े जर्जर हो रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी दिल्ली सरकार लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अब यह आरोप लगा रही है कि केंद्र सरकार ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों को फ्लैट नहीं दिए। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने इसे लेकर अभियान चलाने की घोषणा की है। अब दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी नेताओं के पैंतरेबाजी समझ चुके हैं और उनके झांसे में नहीं आने वाले।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--------- हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, रविवार, 14 जनवरी 2024 -DATED----------

लोहड़ी और मकर संक्रांति के रंग में रंगी राजधानी

उत्साह

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी के कई इलाकों में शनिवार को लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया।

दिल्ली के लोग लोहड़ी और मकर संक्रांति के रंग में रंगे नजर आए। वहीं, शनिवार को सराय काले खां स्थित बांसेरा बैंबू पार्क में दो दिवसीय पहले अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का शानदार आगाज हुआ। इसमें लोगों और बच्चों के लिए कई तरह के आकर्षण मौजूद हैं। यहां पतंगों के इतिहास के बारे में प्रदर्शित थीम पवेलियन को लोगों ने खूब पसंद किया। इसके अलावा क्लासिक पतंग बाजार भी लगाया गया। इसमें भी लोगों ने खूब दिलचस्पी दिखाई।

उत्सव में राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्षद्वीप और गुजरात के 30 से अधिक पेशेवर पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। उत्सव में तिरंगे, ट्रेन और विभिन्न आकृतियों, आकारों और रंगों की पतंगों को उड़ाया गया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से आयोजित उत्सव का उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उद्घाटन किया। उन्होंने लोगों से इस उत्सव में शामिल होने की अपील की। इस अवसर पर केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद हर्षवर्धन, सांसद रमेश बिधूड़ी और गौतम गंभीर आदि मौजूद रहे। उत्सव में सिसली, मंगोलिया, माली, बुरुंडी, बोलीविया, नाइजर, ऑस्ट्रिया, मालदीव, लीबिया और पेरू जैसे देशों के राजदूत तथा राजनयिकों ने भी हिस्सा लिया।

पतंग उत्सव नई दिल्ली के सराय काले खां स्थित बांसेरा बैंबू पार्क में शनिवार को दो दिवसीय पहले अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का आगाज हुआ। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पतंग उड़ाकर इसकी शुरुआत की। लोगों ने पतंगों के इतिहास के बारे में प्रदर्शित थीम पवेलियन को खूब पसंद किया। साथ ही, पतंगों पर हाथ आजमाया। बच्चे भी एक-दूसरे से पेंच लड़ाते नजर आए। • तस्वीरें सलमान अली

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 14, 2024
NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

HC asks govt to clear stand on encroachments in forest areas

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi High Court has asked Delhi government to clear its stand on alleged encroachments in Asola Bhatti Wildlife Sanctuary and Central Ridge forest areas. It has also directed the government to ensure that forest land is free from any encroachment, and place before it any stay orders passed by courts with respect to alleged illegal colonies constructed in forest areas.

"It can't be that 700 illegal colonies are operating from the forest without any stay order. There should be no encroachment. The land should be encroachment free," a bench of Acting Chief Justice Manmohan and Justice Manmeet PS Arora said in a recent hearing.

The court asked the government to file a short affidavit, explicitly stating that there is no encroachment in Asola Bhatti Wildlife Sanctuary and Central Ridge. It was hearing a batch of PILs on the problem of poor ambient air quality in Delhi, an issue which it has also taken up on its own (suo motu) and appointed an amicus curiae (friend of the court) to assist it in the matter.

Senior advocate Kailash Vasudev, the amicus curiae, submitted that around 1,770 unauthorised colonies exist in the national capital, which have been sought to be regularised. Out of these, almost 700 are on common village lands and in forest areas.

The court had earlier directed Delhi government, Municipal Corporation of Delhi (MCD) and Delhi Development Authority (DDA) to explain how clearances were granted for new constructions in the Southern Ridge forest area where a multi-storey housing project has already come up.

File photo for representation

The amicus had earlier shown certain photographs to the court to highlight the loss of forest cover, especially in areas around the Asola sanctuary, the airport and Rashtrapati Bhavan

The amicus curiae told the court about alleged illegal construction activities being carried out in Chattarpur within Southern Ridge and flagged the issue. The court had also observed that the national capital was losing its forest cover "drastically" and "injustice" was being done to nature.

The amicus had earlier shown certain photographs to the court to highlight the loss of forest cover, especially in areas around the Asola sanctuary, the airport and Rashtrapati Bhavan. While giving his suggestions for increasing the forest cover in the city, Vasudev had said the government should clear the identified areas in the ridge of encroachments.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- दैनिक जागरण नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2024 ED----------

पतंग उत्सव में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' व स्वच्छता का दिया संदेश

दीपक गुप्ता • दक्षिणी दिल्ली

सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क में आयोजित पतंग उत्सव में रविवार को अयोध्या के राम मंदिर की लहर दिखी। यहां सीता-राम की पतंग उड़ाई गई, तो दूसरी तरफ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' व 'मतदान हमारा अधिकार' का पतंग उड़ाकर अलग ही संदेश दिया।

पंजाब के महोली कलां गांव वरुण चड्ढा अपनी टीम के साथ बांसरा पार्क में विभिन्न तरह की तीन फीट से लेकर 25 फीट तक की पतंगें लेकर पहुंचे। उनकी पतंगों ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उनके पास भगवान राम-सीता, भारत, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्वच्छता का संदेश, दहाड़ता शेर, मतदान करना सभी का अधिकार, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश लिखी पतंगें थीं। 25 फीट लंबी पतंग इतनी भारी थी कि उसके आसपास किसी को भी खड़ा नहीं होने दिया जा रहा था।

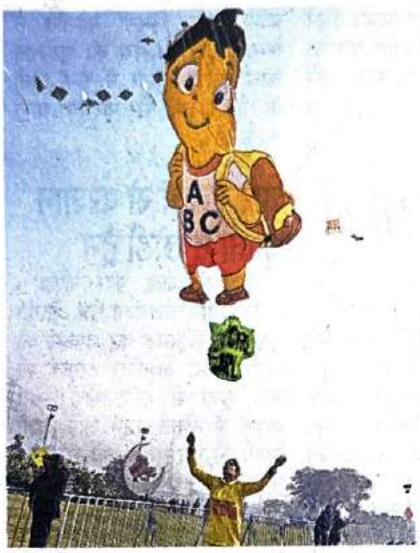

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' लिखी पतंग उड़ाते वरुण • विपिन शर्मा

सीता-राम पतंग दिखाता पतंगबाज • जागरण

वरुण ने बताया कि भारत के नक्शा वाली 10 फीट लंबी पतंग सबसे ऊंची उड़कर यह संदेश दे रही है कि वह दुनिया में नंबर एक पर है। उनसे ऊपर कोई न था और न कभी हो सकता है। राम-सीता पतंग पर वरुण चड्ढा व पल्लवी ने बताया कि भगवान राम व माता सीता की पतंग तीन फीट लंबी है। यह पतंग अयोध्या के बन रहे भव्य राममंदिर से प्रेरित होकर बनाई है। पतंग उड़ाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

बांसेरा पार्क में जुटे लोग, पतंग महोत्सव की रही धूम

बांसेरा पार्क में पतंग उत्सव में लोगों की भीड़ उमड़ी। पतंग उत्सव में देशभर से लोग पहुंचे। वहां कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प स्टाल प्रदर्शित किए गए। कलाकारों द्वारा भांगड़ा, गरबा, घूमर और बिहू का शानदार प्रदर्शन किया। यमुना नदी के तट पर सराय काले खां में दिल्ली के पहले बांस-थीम पार्क बांसेरा में लोग अपने परिवार के साथ पहुंचे। उत्सव के दौरान तिरंगे, ट्रेन और चील सहित विभिन्न आकृतियों, आकारों और रंगों की पतंगें उड़ाई गईं। इस दौरान केंद्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, संसद सदस्य, डा. हर्ष वर्धन, सांसद रमेश बिधूड़ी, सांसद गौतम गंभीर, विधायक एवं प्राधिकरण सदस्य ओपी शर्मा, मुख्य सचिव दिल्ली नरेश, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा आदि रहे।

शाम से हुई सुबह और नहीं आए साहब

ग्रामीण इलाकों में सरकारी जमीन का मालिकाना हक डीडीए के पास पहुंच गया है, पर नई दिल्ली के डीएम संतोष कुमार राय जिस समालखा गांव में निरीक्षण करने पहुंचे, वहां डीडीए का कोई अधिकारी ही नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने सुबह बैठक में एक-एक करके समस्याएं सुनानी शुरू की, तो सबसे ज्यादा मामले जमीन संबंधी आए। डीएम ने पटवारी से जवाब मांगा, तो उन्होंने झट नक्शा देखकर बताया...साहब मामला तो है पर जमीन डीडीए की है, कार्रवाई वही करेगा। खोजबीन की गई, तो डीडीए के साहब गायब...अब जवाब कौन दे। खैर पटवारी के नक्शे से काम चलाया गया। तमतमाए डीएम साहब ने डीडीए को फोन मिलवाया और खुद बात कि तो डीडीए अधिकारी के शाम तक आते-आते सुबह का वादा हुआ पर वह भी पूरा नहीं हुआ। निरीक्षण और बेहतर प्लानिंग की तैयारी में पहुंचे डीएम ने आदेश दिया कि विभाग को नोटिस भेज कर जवाब लिया जाए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 15 जनवरी 2024

----DATED----

हाउसफुल रहा पतंग उत्सव, अभी और होंगे ऐसे इवेंट

DDA दूसरी जगहों के लिए भी कर रहा प्लानिंग

पतंग उत्सव में न सिर्फ पतंगें बल्कि यहां लगे बाजार को भी लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

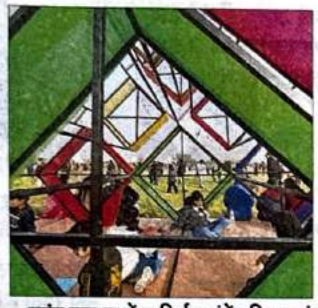

बांसेरा में हुआ दो दिवसीय इंटरनैशनल पतंग उत्सव हाउसफुल रहा। डीडीए का दावा है कि इसके लिए सभी प्रिंटिड टिकट बिक गए। दो दिन के दौरान यहां पांच हजार से अधिक लोग आए। यहां न सिर्फ पतंगें बल्कि यहां लगे बाजार को भी लोगों ने काफी पसंद किया। इसमें तरह तरह के पौधे लोगों के लिए रखे गए थे। डीडीए के अनुसार आने वाले दिनों में डीडीए की डिवेलप की गई अन्य जगहों पर भी इसी तरह के मनोरंजक कार्यक्रम होंगे।

बांसेरा में खत्म हुआ दो दिवसीय इंटरनैशनल पतंग उत्सव

पतंग उत्सव के दौरान लोक कलाकारों ने भंगड़ा, गरबा, घूमर और बीहू नृत्य प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। वहीं कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश आदि के हैंडीक्राफ्ट आइटम्स के स्टाल यहां लगाए गए थे। इस उत्सव में राजस्थान, सिक्किम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, लक्ष्यद्वीप और गुजरात से 30 प्रफेशनल पतंगबाजों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान इन्होंने कई साइज और रंगों की पतंगे उड़ाकर लोगों को हैरान किया। पतंग गैलरी में लोगों ने पतंग के इतिहास को काफी पसंद किया। एलजी वीके सक्सेना ने सफल आयोजन के लिए दिल्ली के लोगों, सभी पतंगबाजों, लोक कलाकारों व डीडीए को बधाई दी।

वसुंधरा एनक्लेव : प्लॉट और सड़क बनीं कूड़ाघर

■ एनबीटी न्यूज, वसुंधरा एनक्लेव : 45 सोसायटी वाले वसुंधरा एनक्लेव में चारों तरफ गंदगी की भरमार है। सोसायटी के बगल में खाली पड़ी जगह और सड़कें कूड़ाघर बनी हुई हैं। नियमित सफाई नहीं होने के कारण कूड़े के ढेर कई फुट ऊंचे हो गए हैं। लोगों ने बताया कि वेंडरों के कारण भी गंदगी फैल रही है।

NBT सुरक्षा कवच
मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

एनबीटी सुरक्षा कवच न्यू अशोक नगर से जुड़ी अनीता बहल ने बताया कि दशमेश पब्लिक स्कूल और पुनीत सोसायटी के बीच डीडीए की खाली पड़ी जमीन को लोगों ने कूड़ाघर बना रखा है। इसी प्रकार पुनीत सोसायटी, महेश अपार्टमेंट और सम्राट अपार्टमेंट के बगल में लोग कूड़ा डाल जाते हैं। कूड़े में प्लास्टिक की थैलियों की संख्या बहुत अधिक होती है। उन्होंने बताया कि सोसायटी के बाहर रेहड़ियां लेकर खड़े वेंडर शाम को लौटते वक्त अपना कचरा भी वहीं सड़क पर फेंक जाते हैं। लोगों ने बताया कि सोसायटी के अंदर से कूड़ा ले जाने के लिए एमसीडी ने एजेंसी लगाई हुई है। मगर एमसीडी बाहर का कूड़ा नियमित तौर पर नहीं उठाती है।

हिन्दुस्तान
सोमवार, 15 जनवरी 2024

सराय काले खां में रविवार को डीडीए की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का समापन हो गया। इसमें करीब पांच हजार लोगों ने हिस्सा लिया। • एजेंसी

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE
NEW DELHI
MONDAY
JANUARY 15, 2024

WWW.INDIANEXPRESS.COM
THE INDIAN EXPRESS, MONDAY, JANUARY 15, 2024

With visit to two colonies, AAP begins campaign to 'save slums'

UPASIKA SINGHAL
NEW DELHI, JANUARY 14

KICKING OFF its "Ghar Bachao, BJP Hatao" campaign, AAP ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj Sunday visited the BR Camp behind Race Course and Safdarjung JJ colony, where residents have received eviction notices.

At the JJ colony behind the Safdarjung Flying Club, residents said they received a notice from the Northern Railways on November 30 last year, saying their homes were built on government land and they had to vacate in 15 days.

According to Mahinder (30), a resident of the colony, the matter for permanent settlement has been pending in the High Court since 2018 and they had stay orders from the court to maintain the status quo. "They (railway authorities) showed up with bulldozers on December 15 and when we showed them the court orders, they told us they'll demolish our houses anyway," he alleged.

Residents claimed they ran from pillar to post seeking help. "It is only because politicians could push our cause through that we could get another stay order from the HC on the evening of December 15," said Mahinder.

Bharadwaj, who is the Urban Development minister, during his visit to the colony, said, "Agencies such as the Railways, DDA, ASI, and L&DO are conspiring to demolish JJ colonies on their lands."

The issue of demolitions has become a political hot potato, with both AAP and BJP blaming the other for a large number of JJ colonies being removed over the past two months. Since the action comes before the Lok Sabha elections, AAP and BJP leaders are seeking to distance themselves, with AAP launching a campaign against demolition. That land in Delhi is a matter that comes under the Centre is something AAP is making sure is known.

Abhinav Saha

(Top) Atishi addresses residents of BR Camp; Bharadwaj reads the eviction notice at Safdarjung JJ colony.

As he met people, Bharadwaj said that old JJ colonies have been identified and listed by the Delhi government and this list has been shared with the Supreme Court. "These clusters are so old that based on law, you cannot remove them. First, the government must make in-situ housing for residents. After everyone has shifted, only then can the government demolish the area," he said.

Atishi, who also holds the PWD portfolio, alleged that despite pre-election promises of providing homes in the same locations, the Delhi Development Authority, under the BJP's influence, intends to relocate slum dwellers 50 km away to Narela and Kakrola. Accusing the BJP of deceptive practices, she stated, "Before elections, BJP pledges houses in existing locations, but post-elections, promises crumble."

BJP Delhi secretary, Bansuri Swaraj, meanwhile, said AAP was responsible for the plight of people. "The Chief Minister will have to answer what his government has done in the last nine years to provide houses to the poor. If he had allowed the Pradhan Mantri Awas Yojana to be implemented in Delhi, perhaps no poor person would have had to live in a slum today," she said.

Hindustan Times

A picture of the kite festival posted by LG VK Saxena on X.

'Thank you, Delhi': LG hails kite event, bats for more fests

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The two-day international kite festival, "Patang Utsav", concluded on Sunday with nearly 5,000 visitors and artistes from various states showcasing their handicraft at Baansera, Delhi's first bamboo-theme park, on the banks of the Yamuna at Sarai Kale Khan.

Lieutenant governor (LG) VK Saxena, who inaugurated the festival to mark the sun's "Uttarayan" (transitioning from south to north) and the festivals associated with it, posted on X: "Thank You Delhi. Your enthusiasm and warm response to the Patang Utsav, made the efforts put in by @official_DDA worth it. Let us look forward to more such events at various other locations developed by DDA (Delhi Development Authority), across the City. Let us make the City's calendar of events more lively."

An LG house official said that people came out in large numbers with their family on the second day of the festival. "Over 5,000 people visited Baansera to celebrate the Patang utsav and all tickets were sold by the second day. The success of the festival, also opens the way for DDA to organise more such events at different sites that have been recently developed at different locations across the city," the official added.

The festival, organised by DDA, saw over 30 professional kite flyers from Rajasthan, Sikkim, Maharashtra, Karnataka, Punjab, Lakshadweep and Gujarat, and featured a pavilion displaying the history of kites.

The official added that diplomats from countries such as Seychelles, Mongolia, Mali, Burundi, Bolivia, Niger, Austria, Maldives, Libya, and Peru also participated in the festival.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

WWW.INDIANEXPRESS.COM
NAME OF NEWSPAPERS------, MONDAY, JANUARY 15, 2024--DATED----------

Kites dot Delhi skyline as Baansera hosts festival

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JANUARY 14

OVER 5,000 visitors flocked to Delhi's bamboo-themed park, Baansera, on the banks of the Yamuna, over the weekend to celebrate "patang utsav", a two-day kite festival organised by the DDA on the occasion of Makar Sankranti. The event, inaugurated by L-G V K Saxena, sold out all tickets by the second day Sunday.

More than 30 professional kitists from various states showcased their artistry at the event, flying kites of diverse shapes, sizes, and colours, including the Tricolour, train, and eagle designs. The festivities were attended by Union Minister of State for External Affairs and Culture Meenakshi Lekhi; MPs Harsh Vardhan, Ramesh Bidhuri, and Gautam Gambhir, along with foreign envoys and diplomats from multiple countries.

It was organised for Makar Sankranti. *Praveen Khanna*

Saxena commended the DDA for its efforts in organising the festival and transforming Baansera's "earlier degraded landscape into a vibrant and lush green space". On the first day of the event on Saturday, Saxena said the festival was a tribute to Lord Ram who is said to have "flown kites in his childhood".

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
MONDAY, JANUARY 15, 2024

AAP again accuses Centre of plan to demolish slums, BJP hits back

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Launching the 'Ghar Bachao, BJP Hatao' campaign, Delhi cabinet ministers Atishi and Saurabh Bharadwaj on Sunday visited slum clusters and accused the BJP of conspiring to remove slum dwellers.

Atishi visited the BR Camp slum while Bharadwaj met residents of slums near the Safdarjung Flying Club in south Delhi. "The BJP-led central government is conspiring to raze slum areas of Delhi and relocate residents 40 to 50 km from their homes," Atishi said, during her visit.

The minister said that as long as the people of BR Camp do not get flats in the same place as their existing houses, they will not let DDA touch even a single house.

Atishi visited the BR Camp slum while Bharadwaj met residents of slums near the Safdarjung Flying Club in S Delhi

"Whether we have to stand in front of bulldozers or obtain orders from the court, AAP will not let the people living in jhuggis of BR Camp become homeless," she said.

BJP-led DDA is forcing slum dwellers to relocate 50 km away in Narela and Kakrola, pushing them miles away from their jobs and their children's schools, she said.

Bharadwaj said drivers, maids and cooks have been living in Delhi's JJ clusters with their families. He said that for the last few months, central government agencies are conspiring to demolish the clusters wherever they are on their land.

Hitting back, leader of opposition in the Delhi Assembly Ramvir Singh Bidhuri said Delhi government was treating slum dwellers unjustly. "More than 55,000 flats are ready for slum dwellers in Delhi but government could not allot those flats. These flats were ready before AAP came to power and are now in a dilapidated condition," he said.

Bidhuri said AAP leaders were shedding crocodile tears for the slum dwellers. "If slum dwellers are removed anywhere in Delhi, flats are ready in Delhi for their rehabilitation. The central government not only provided land for these flats but also paid 50% of the expenses for their construction," he said.

BJP president Virendra Sachdeva said: "Central government has built thousands of houses for the poor of Delhi in Kathputli Colony, Kalkaji and Jailerwala Bagh but Kejriwal should tell what he has done to give homes to the poor."

"Kejriwal has neither allowed the benefits of the Pradhan Mantri Awas Yojana to reach the real poor in rented houses, nor given them free electricity and water," he said.

DDA clears encroachments in Gokalpuri

New Delhi: The Delhi Development Authority (DDA) on Sunday cleared encroachment on government land in East Gokalpuri, officials said. A senior police officer said the anti-encroachment drive was under way at Harnam Palace, Amar Colony, East Gokalpuri in northeast Delhi on Sunday morning. "The northeast district is committed to wards clearing the area — both physically as well as from crime and criminals," the officer said. PTI

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

www.delhi.nbt.in दिल्ली : महानगर : महाकवरेज । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 15 जनवरी 2024

झुग्गीवासियों के बीच जाकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दिया भरोसा

'आप' का वादा, किसी भी झुग्गी को तोड़ने नहीं देंगे

दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने झुग्गी बस्तियों में पहुंचकर वहां के लोगों से बातचीत की

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने रविवार को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से 'घर बचाओ-बीजेपी हटाओ' अभियान की शुरुआत की। पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने यहां की झुग्गियों में रह रहे लोगों के बीच जाकर उन्हें भरोसा दिया कि सीएम अरविंद केजरीवाल उनके साथ खड़े हैं और किसी को भी बेघर नहीं होने देंगे। आतिशी ने जेजे क्लस्टर, बीआर कैंप और सौरभ ने सफदरजंग फ्लाइंग क्लब के पास बनी झुग्गी बस्ती में जाकर लोगों से मुलाकात की। आम आदमी पार्टी का दावा है कि बीजेपी की केंद्र सरकार दिल्ली में झुग्गियां तोड़कर लोगों को बेघर करने की साजिश कर रही है।

आम आदमी पार्टी ने 'घर बचाओ-बीजेपी हटाओ' अभियान की शुरुआत की

आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने झुग्गीवासियों को घर देने का वादा किया था, लेकिन चुनाव खत्म होते ही झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस दे दिया। इससे साफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी गरीब विरोधी हैं और दिल्ली को गरीबों से मुक्त कराना चाहते हैं, लेकिन जब तक लोगों को पक्के घर नहीं मिलेंगे, तब तक हम किसी भी झुग्गी को तोड़ने नहीं देंगे। हम इसके लिए सड़क से लेकर संसद और कोर्ट तक लड़ाई लड़ेंगे। आतिशी का दावा है कि डीडीए ने बीआर कैंप में झुग्गी तोड़ने का नोटिस लगाया है और लोगों को 40 किमी दूर ऐसी जगह भेजने वाले हैं, जहां से बच्चों का स्कूल और उनके पैरेंट्स का अपने काम पर जाना मुश्किल हो जएगा।

सौरभ ने कहा कि पिछले कुछ महीने से साफ देखा जा रहा है कि एएसआई, रेलवे, डीडीए, एलएंडडीओ जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियों की जमीन पर जितने भी जेजे क्लस्टर्स बने हुए हैं, उनको हटाने की साजिश की जा रही है। कानूनी तौर पर इन्हें हटाने से पहले उनमें रहने वाले लोगों को वहीं पर मकान देने पड़ेंगे और जब तक लोग नए मकान में शिफ्ट नहीं हो जाते, तब तक झुग्गियों को नहीं तोड़ा जा सकता है। बीजेपी के आरोपों का जवाब देते हुए सौरभ ने कहा कि बीजेपी कह रही है कि आम आदमी पार्टी लोगों को गुमराह कर रही है। अगर ऐसा नहीं है, तो बीजेपी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह कह दे कि रेलवे का नोटिस झूठा है।

झुग्गीवालों को गुमराह कर रही है आप: BJP

■ विस, नई दिल्ली; बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के झुग्गी बचाने के अभियान को खुद के राजनीतिक वजूद को बचाने का अभियान बताया। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचार और दिल्ली के विकास को ठप करने के आरोप में घिरी आम आदमी पार्टी आज अपने राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए एक तरफ कांग्रेस के सामने गिड़गिड़ा रही है, तो दूसरी तरफ झुग्गीवालों और दिल्ली की गरीब जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रही है। दिल्ली का हर गरीब पूछ रहा है कि केंद्र सरकार ने कठपुतली कॉलोनी, कालकाजी, और जेलरवाला बाग में उनके लिए जो हजारों मकान बनाए हैं, उन्हें दिल्ली सरकार ने अभी तक गरीबों को अलॉट क्यों नहीं किया है।

सचदेवा ने कहा- झुग्गी नहीं, अपना राजनीतिक वजूद बचाने का अभियान चला रही है आप

सचदेवा ने कहा केंद्र सरकार तो दिल्ली में 72 लाख लोगों को लगातार फ्री राशन उपलब्ध करा रही है, लगभग 2 लाख उज्ज्वला कनेक्शन फ्री में बांटे गए हैं, लाखों गरीबों को रोजगार के लिए लोन दिलवाया गया है। मगर आप सरकार ने वादे के बावजूद दिल्ली के गरीब लोगों तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं पहुंचने दिया। अगर यह योजना दिल्ली में भी लागू हो जाती, तो गरीबों को अपना मकान मिल गया होता।

दिल्ली बीजेपी की मंत्री बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी आजकल लोगों को गुमराह करने वाला एक और झूठा कैंपेन चला रही है, लेकिन यह नहीं बता रही कि पिछले नौ साल में दिल्ली सरकार ने गरीबों को घर देने के लिए क्या काम किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा को गरीब लोगों का जैसा समर्थन मिल रहा है, वह देखकर आम आदमी पार्टी हताश और परेशान हो गई है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 13, 2024

WWW.INDIANEXPRESS.COM
JANUARY 13, 2024/NEW DELHI

Hindustan Times

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2024 दैनिक जागरण

Where Development Values Nature

उत्तरायणी रंगों का उत्सव

DDA's पतंग उत्सव

अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव

13-14 जनवरी, 2024

बांसेरा

सराय काले खां के निकट, नई दिल्ली

जहां लगभग 100 एकड़ बंजर एवं सीएंडडी मलबे से पटी भूमि को एक स्वच्छ, हरित सार्वजनिक स्थान के रूप में पुनर्जीवित किया गया है।

उद्घाटन

श्री विनय कुमार सक्सेना

माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली
के कर-कमलों द्वारा

दिनांक: 13 जनवरी, 2024

लोकेशन के लिए
क्यूआर कोड स्कैन करें

13 जनवरी 2024 | दोपहर 12 बजे से

14 जनवरी 2024 | सुबह 10 बजे से

मुख्य आकर्षण

- भारत और विदेश की अद्भुत पतंगों का प्रदर्शन
- पतंगों के इतिहास पर थीम पवेलियन
- पतंग बाज़ार
- पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प स्टॉल
- लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति
- बच्चों के लिए विशेष आकर्षण

आइए लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, माघी और उत्तरायणी का भव्य उत्सव मनाइए।

दिल्ली विकास प्राधिकरण

प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति ₹50/-
10 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रवेश निशुल्क

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, विकास सदन, आईएनए, नई दिल्ली-110023 | हमें फॉलो करें official_dda ddaofficial official_dda Official_dda